सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 224 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 28 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

खाई में गिरी कार, पति-पत्नी और बेटी की मौत...बेटा घायल

अल्मोड़ा (एजेंसी)। अल्मोड़ा के पास स्याल्दे में एक कार 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में डॉक्टर पति, स्टाफ नर्स पत्नी, आठ साल की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 साल का बेटा घायल हो गया। अल्मोड़ा के स्याल्दे विकासखंड में भिकियासैंण-देघाट सड़क पर चौनिया बैंड के पास एक कार 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में डॉक्टर पति, स्टाफनर्स पत्नी, आठ साल की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 साल का बेटा घायल हो गया। रुड़की से देघाट सीएचसी में तैनात डॉक्टर पत्नी और बच्चों को छोड़ने जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक बीते सोमवार को रुड़की में निजी क्लीनिक संचालित करने वाले सावत शिवालय लाइन, दिल्ली रोड निवासी डॉ. मुनेंद्र सिंह पुत्र ईश्वर सिंह अपनी पत्नी शशि, बेटी अदिति और बेटे आदि के साथ घर से देघाट को रवाना हुए। दोपहर तीन बजे तक उनका परिजनों से संपर्क हुआ, लेकिन इसके बाद अचानक संपर्क कट गया। देर शाम तक संपर्क ना होने पर मृतका के भाई ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने चारों के खोजबीन के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। मंगलवार सुबह जब घायल बेटा किसी तरह सड़क तक पहुंचा तो घटना का पता चला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों का खाई से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सात साल की मासूम को सांप ने काटा, इलाज के अभाव में हुई मौत

जगदलपुर। जगदलपुर के कोंडागांव जिले के ग्राम मोहलई में रहने वाले सेवन राठौर की सात वर्षीय बच्ची को सोने के दौरान एक सांप ने पैर में काट लिया। जिसके बाद बच्ची को बेहतर उपचार के लिए कोंडागांव जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे मेकाज रेफर किया गया, जहां उपचार मिलने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवा दिया।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए पिता सेवन राठौर ने बताया कि 27 मई की रात को कुमारी पल्लवी राठौर अपने पिता और भाई के साथ बिस्तर में सो रही थी और मां छह माह की छोटी बच्ची के साथ जमीन पर सोई हुई थी। रात करीब दो बजे के लगभग करैत सांप ने पल्लवी के पैर में डस लिया। जिसके बाद बच्ची ने शोर मचाया। परिजनों ने सांप को देख पहले तो उसे मार डाला, उसके बाद घायल बच्ची को निजी वाहन की मदद से कोंडागांव जिला अस्पताल ले गए, अस्पताल पहुंचने के बाद बच्ची की बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उसे मेकाज रेफर किया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृतिका पल्लवी चार भाई बहनों में दूसरे नंबर की थी। जबकि अभी स्कूल खुलने के बाद दूसरी क्लास जाने वाली थी।

लोकसभा चुनाव के बीच एक बार फिर ईवीएम पर बवाल, डिप्टी सीएम साव बोले- नतीजों से पहले ही कांग्रेस ने मानी हार

पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने किया पलटवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोकसभा चुनाव 2024 के तहत 6 चरणों का मतदान पूरा हो चुका है। अभी सातवें व अंतिम चरण का मतदान 1 जून को होना है। इसके बाद 4 जून को नतीजे आएंगे। नतीजे आने से पहले की कांग्रेस पार्टी के बड़े लीडर अभी से ईवीएम का रोना रोने लगे हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज लगातार ईवीएम को लेकर बयान बाजी कर रहे हैं और इलेक्शन कमीशन से इस शंका का समाधान करने की मांग भी कर चुके हैं। इधर पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पलटवार किया है। अरुण साव ने कहा है कि नतीजों से पहले ही कांग्रेस हार मान चुकी है इसलिए अभी से ईवीएम का रोना रो रही है।

बता दें ईवीएम को लेकर विपक्ष का रोना कुछ नया नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस पार्टी ईवीएम का रोना रो रही है। 2014 तक केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी और कांग्रेस के अनुसार जिसकी सरकार होती है इलेक्शन कमीशन उनके इशारों पर काम करता है तो 2014 के चुनाव में कांग्रेस की हार कैसे हुई। इस सवाल का जवाब देने के बजाय कांग्रेस नेता पूरे देश में यह भ्रम फैलाने में लग गए कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई। बटन कहीं भी दबाओ वोट कमल को ही जाता है। बहरहाल विपक्षी पार्टियों के इन आरोपों को इलेक्शन कमीशन लगातार नकारते आ रहा है। इलेक्शन कमीशन ने तो खुला चैलेंज दे रखा है कि वे आएं और ईवीएम को हैक कराए। इलेक्शन कमीशन के चैलेंज के अभी तक कांग्रेस तो क्या किसी भी पार्टी ने एक्सेप्ट नहीं किया है। इसके पीछे भी कारण है यदि वे इलेक्शन कमीशन का चैलेंज स्वीकार करते हैं और ईवीएम हैक नहीं होता तो उनकी इज्जत का फालूदा हो जाएगा।

अमित शाह ने कहा 4 जून को राहुल बाबा लेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

चुनाव प्रचार के दौरान एक सभा में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया कि 4 जून को दोपहर 12 बजे के बाद राहुल बाबा प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि हमें ईवीएम ने हराया है। अमित शाह ने कहा कि विपक्षी हमेशा ईवीएम को दोष देते हैं। कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी अब कांग्रेस की सरकार बनी तो क्या वहां ईवीएम ठीक थे। तेलंगाना में कांग्रेस ने सरकार बनाई वहां भी ईवीएम ठीक थे। अमित शाह ने कहा जहां भारतीय जनता पार्टी की जीत होती है वहीं पर ईवीएम खराब होता है। अमित शाह ने कहा के देश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर से पीएम बनाने का फैसला कर लिया है और 4 जून को यह साफहो जाएगा। कांग्रेस पार्टी को 40 से भी कम सीटें आएंगी।

जानिए क्या कहा था पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने

लोकसभा चुनाव के परिणाम से पहले छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने ईवीएम को लेकर सवाल खड़ा किया और कहा कि भारत निर्वाचन आयोग को इस शंका का समाधान करना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भी ईवीएम को लेकर बात करते रहे हैं। कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ ही छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल भी ईवीएम को लेकर बयान दे चुके हैं। कांग्रेस के साथ की आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल और राजद के तेजस्वी यादव भी ईवीएम को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं।

डिप्टी सीएम साव ने कहा- हार का बहाना ढूंढ रही कांग्रेस

लगातार ईवीएम पर सवाल उठाने पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस ने हार का बहाना ढूंढ लिया है। साव ने कहा कि अंतिम चरण में विपक्षी गठबंधन का सफाया होता दिख रहा है, इसलिए इन्हें अब कुछ नहीं मिल रहा है तो ईवीएम पर प्रश्न चिन्ह उठा रहे हैं।

विपक्षी दलों की मानसिक स्थिति खराब

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दीपक बैज के बयान भाजपा नेता व पीएम मोदी की मानसिक स्थिति खराब हो गई वाले बयान पर पलटवार किया है। अरुण साव ने कहा है कि मानसिक स्थिति तो विपक्षी दलों की खराब हो गई है। इसीलिए जो मुद्दे जनता के बीच नहीं है उन्हें भी लाने की कोशिश कर रहे हैं। अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस की ही मानसिक स्थिति खराब है इसलिए इनके नेता उलजुलूल बयानबाजी करते रहते हैं। नक्सलवाद पर डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने नक्सलियों को छत्तीसगढ़ में पालने पोसने का काम किया है। अब छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार आने के बाद नक्सलियों की कमर टूट रही है। एनकाउंटर से लेकर गिरफ्तारियां हो रही हैं और डर के कारण बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं। विपक्ष लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी लगातार हार का बहाना ढूंढ रहे हैं। इसलिए यह लोग ईवीएम का सहारा ले रहे हैं। अरुण साव ने कहा कि न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हुई है। यही नहीं इलेक्शन कमीशन ने विपक्ष के नेताओं को उनके ईवीएम को हैक करने का खुला चैलेंज दे रखा है।

मानसून जल्द पहुंचेगा केरल, गर्मी से मिलेगी राहत

इस साल जमकर बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में जारी भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली की मांग के बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। विभाग का कहना है कि केरल में जल्द ही मानसून दस्तक देगा। साथ ही इस साल मानसून मौसम में सामान्य से अधिक बारिश होगी।

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि केरल में अगले पांच दिन में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दस्तक देने की अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। विभाग ने केरल में मानसून के आने की तिथि 31 मई बताई है, जबकि आमतौर पर केरल में मानसून एक जून को पहुंचता है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 18-20 जून के बीच वाराणसी व गोरखपुर में 23-25 जून, महाराष्ट्र के मुंबई में 10-11 जून मानसून के पहुंचने की उम्मीद है। इसी रफ्तार से मानसून दिल्ली में 29 जून को पहुंचेगा। मानसून के जल्द दस्तक से भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

सितंबर तक सामान्य से अधिक बारिश

उत्तर-पूर्व भारत में सामान्य से कम, उत्तर-पश्चिम भारत में सितंबर तक सामान्य और देश के मध्य व दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

जून में सामान्य बारिश

महानिदेशक महापात्र ने कहा कि देश में जून में सामान्य वर्षा (लंबी अवधि के औसत 166.9 मिमी का 92-108 प्रतिशत) होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर जून में देश में सामान्य-सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की उम्मीद है।

भिलाई में आमने सामने से भिड़े दो बाइक: तीन युवकों की मौत और दो गंभीर रूप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। उमरपोटी रोड़ पर दो बाइक सवार आमने सामने से भिड़ गए। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा सोमवार की रात करीब 8:30 बजे की बताई जा रही है। इस मामले में नेवई पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

नेवई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कैंप-1 शास्त्री नगर निवासी खिलेश सिन्हा और उसका साथी दिलीप निषाद उमरपोटी से लौट रहे थे। इस दौरान मरोदा का रहने वाला जीतू निषाद अपने दो साथियों के साथ उमरपोटी की ओर जा रहा था। रात करीब 8:30 बजे दोनों की बाइक एक दूसरे से आमने सामने से टकरा गई। हादसे में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 को दी और उसके बाद सभी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद तीन युवकों की मौत हो गई और दो लोग घायल हैं।

पुलिस के अनुसार हादसे में मरने वालों में कैंप -1 शास्त्री नगर निवासी खिलेश सिन्हा व दिलीप निषाद तथा दूसरे बाइक का चालक मरोदा निवासी जीतू कुमार निषाद शामिल हैं। जीतू निषाद के साथ बाइक पर दो युवक घायल हैं। तीनों मृतकों के शवों को पीएम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल इस मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

भारी बारिश के कारण ढह गई खदान, 10 की मौत

आइजोल (एजेंसी)। मिजोरम की राजधानी आइजोल के बाहरी इलाके में भारी बारिश के कारण एक खदान ढह गई। इस हादसे में अबतक 10 लोगों की जान चली गई। पुलिसकर्मी बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। भारी बारिश के कारण नदियों का स्तर भी बढ़ चुका है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को अपने घरों से निकलकर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ रहा है। राज्य की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री लालडुहोमा ने बैठक बुलाई।

यह घटना आज सुबह के छह बजे आइजोल शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके में मेल्थम और ह्लिमेन के बीच घटी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनिल शुक्ला ने कहा कि अबतक मलबे से दस शव को बाहर निकाला गया है, जबकि कई लोग अभी भी इसमें दबे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में सात स्थानीय, जबकि तीन दूसरे राज्य के थे। उन्होंने आगे कहा, मलबे में अभी भी 10 से ज्यादा के फंसे होने की संभावना है। भारी बारिश के कारण अलग-अलग इलाकों में भूस्खलन की घटना सामने आई है। हुनथर में राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर भूस्खलन के कारण आइजोल देश के बाकी हिस्सों से कट गया। बारिश के कारण मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

चक्रवात रेमल के प्रभाव से भारी बारिश के कारण राज्य के विभिन्न इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि आइजोल के सेलम वेंग में भूस्खलन से एक इमारत ढह गई, इस हादसे में तीन लोग लापता हो गए। फ्लिहाल उनकी तलाश जारी है। भूस्खलन के कारण कई अंतर्राज्य राजमार्ग भी बाधित हो गए।

लापरवाही : बेबी केयर अग्निकांड के बाद जांच में खुलासा

900 अस्पतालों ने नहीं लिया फायर एनओसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन यह हकीकत है कि राजधानी के करीब 900 अस्पतालों के पास दिल्ली फायर सर्विस का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं है। विवेक विहार के बेबी केयर न्यू बॉर्न अस्पताल में आग लगने से सात नवजात मासूमों की मौत के बाद अनापत्ति प्रमाण पत्र का रिकॉर्ड खंगाला गया तो इस गड़बड़ी का खुलासा हुआ।

मौजूदा समय में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के पास 1038 छोटे बड़े अस्पतालों का पंजीकरण है। इसके अलावा राजधानी में केंद्र और दिल्ली सरकार के 50 से ज्यादा अस्पताल हैं। मोटे तौर पर निजी और सरकारी अस्पतालों का आंकड़ा 1100 के आसपास है। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि मौजूदा समय में डीएफएस के पास महज 197 अस्पतालों का अनापत्ति प्रमाण पत्र ही मौजूद है।

अतुल गर्ग ने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस एक्ट के अनुसार जिन इमारतों की ऊंचाई नौ मीटर या उससे अधिक है, उन अस्पतालों को अनापत्ति प्रमाण पत्र चाहिए होता है। अस्पताल एनओसी के लिए आवेदन करते हैं। इसके बाद सभी नियमों की जांच करने के बाद एनओसी तीन साल के लिए दे दी जाती है। इसकी अवधि समाप्त होने के बाद दोबारा से उसी प्रक्रिया से गुजरना होता है। यदि दोबारा जांच में दमकल उपकरणों या सिस्टम में खामियां पाई जाती हैं, तो उनको दुरुस्त करवाने के लिए कहा जाता है। सब कुछ ठीक मिलने पर एनओसी जारी की जाती है। बेबी केयर न्यू बॉर्न अस्पताल में आग लगने के बाद उसका डेटा खंगाला गया तो दिल्ली फायर सर्विस को कोई एनओसी नहीं मिली। अस्पताल ने फायर एनओसी के लिए कभी आवेदन ही नहीं किया था। अब इसकी पड़ताल की जा रही है कि अस्पताल ने ऐसा क्यों किया।

दिल्ली फायर सर्विस ने एमसीडी को लिखा पत्र

विवेक विहार के जिस अस्पताल में आग लगी उसकी ऊंचाई का पता लगाने के लिए दिल्ली फायर सर्विस ने नगर निगम को सोमवार को पत्र लिखा है। दरअसल अस्पताल प्रशासन ने दावा किया है कि उनका अस्पताल फायर एनओसी के दायरे में नहीं आता है। हादसे के बाद पुलिस ने अस्पताल की सही ऊंचाई का पता लगाने के लिए नगर निगम को लिखा है। अतुल गर्ग ने बताया कि यदि अस्पताल की ऊंचाई नौ मीटर या उससे ज्यादा मिली तो सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मुजरा तो सभी कर रहे हैं

श्रीकंचनपथ

मुजरा के शाब्दिक अर्थ पर न जाएं तो यह रईसों के मनोरंजन का साधन है। 77 साल के भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि अब नेता काम की बातें कम और मन की बातें ज्यादा करते हैं। चतुर सुजान लोग इसमें फिकरेबाजी करते हैं और शेष सभी मंदबुद्धि नेता इसके जाल में उलझ जाते हैं। वो भी काम की बात छोड़कर फालतू की बातों में लग जाते हैं। लोकतंत्र आठ-आठ आंसू रोता है। देखा जाए तो चुनावी दौर में सभी दलों के नेता मुजरा कर रहे हैं। वो जनता को रिझाने की कोशिश कर रहे हैं। भोली-भाली जनता झलक देख-देख कर पागल हो रही है। उस बेचारे को क्या पता कि इस मुजरे में उसकी भूमिका केवल दर्शक की है। दरअसल, इसकी शुरुआत खुद भाजपा ने की है। उसके आईटी सेल ने राहुल गांधी का खूब मजाक उड़ाया है। राहुल की हर बात को तोड़-मरोड़कर पेश कर भाजपा ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया है। ऐसा इतनी बार किया गया है कि लोगों को अब केवल मजाक ही याद रह गया है। अब यही तीर भाला बनकर भाजपा की तरफ लौटने लगी है। उसके एक-एक नेता के बयान पर कांग्रेस समेत दीगर विपक्षी दलों के आईटी सेल घात लगाए बैठे हैं। ऐसे में चतुर नेता नाप-तौल कर बोल रहे हैं। जान बूझकर वो ऐसे बोल बोल रहे हैं जिसपर प्रतिक्रिया किये बिना विपक्ष रह ही नहीं सकता। इस चक्कर में वह काम की बात भूल जाता है। वो भूल जाते हैं कि लोकतंत्र में विपक्ष का काम केवल सत्ता की बातों को काटना नहीं है। लोकतंत्र तभी ताकतवर हो सकता है जब विपक्ष जनता के मुद्दों को लेकर ठोस काम करे। इससे सत्ता पर काम का दबाव बना रहता है। छत्तीसगढ़ में लोकसभा के लिए मतदान हो चुके हैं। विधानसभा के चुनाव भी पिछले साल ही निपट चुके थे। अब यहां चुनावी बयानबाजी का कोई अर्थ नहीं। हार-जीत की अटकलबाजी में रस लेने वालों को भी यह समझना होगा कि जो भी होना है वह 4 जून को सबके सामने होगा। कांग्रेस पर यहां विपक्ष की बड़ी जिम्मेदारी है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि चुनाव के बाद एक दल सत्तारूढ़ होकर शासक बन जाता है। इससे पाराजित दल स्वयमेव जनता के साथ खड़ा हो जाता है। जनता के साथ खड़ा होने का एक अर्थ सड़क की राजनीति करना भी है। थोड़े ही दिनों में नया शिक्षण सत्र शुरू होने वाला है। एक आदेश है कि इसी सत्र से नई शिक्षा नीति को लागू किया जाना है। इसी आदेश का एक हिस्सा कहता है कि यूजी में चार वर्षीय पाठ्यक्रम भी इसी सत्र से शुरू हो जाएंगे। इसकी कितनी तैयारी हुई, छात्रों के भविष्य और शिक्षा के खर्च पर कैसा और कितना प्रभाव पड़ेगा इसपर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। इससे छात्र-संगठनों को एक्टिवेट करने का भी मौका मिलेगा। युवा वोटर राजनीति को करीब से समझ पाएंगे।

संपादकीय

गुटखा पर प्रतिबंध

तेलंगाना ने तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा व पान मसाला पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का जो फैसला किया है, वह सुखद है। ऐसे गुटखों या पान मसालों के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया है। हालांकि, अभी यह पाबंदी एक वर्ष के लिए है, शायद आगे इसकी समीक्षा होगी और उसके बाद राज्य सरकार स्थायी प्रतिबंध का फैसला करेगी। ताजा फैसले के मुताबिक, तेलंगाना में जो कंपनियां गुटखों या पान मसालों का उत्पादन करती हैं, वे एक साल किसी अन्य उत्पाद के निर्माण का काम करेंगी।

> “ध्यान रहे, गुटखा लॉबी देश भर में बहुत मजबूत है और इससे सरकारों व उनमें शामिल लोगों को गलत ढंग से भारी कमाई होती है, इसलिए समय-समय पर ऐसे उत्पादों पर लगने वाले प्रतिबंध धरातल पर ज्यादा टिकते नहीं हैं। तेलंगाना में ही गुटखा निर्माण के पूरे ढांचे को उखाड़ फेंकना चाहिए था, पर ऐसा होना अभी दूर की कौड़ी है।

भारत में गुटखा सहित धुआं रहित तंबाकू का उपयोग एक खतरनाक कुचलन है, जिससे गंभीर किस्म की बीमारियां होती हैं। विशेष रूप से गुटखा से कैंसर का खतरा होता है और इसी वजह से साल 2002 से ही गुटखा पर नियंत्रण के प्रयास चलते रहे हैं। साल 2012 से भारतीय राज्यों द्वारा प्रतिबंधित होने के बावजूद गुटखा व्यापक रूप से उपयोग में है। सबसे पहला राज्य मध्य प्रदेश है, जिसने गुटखा पर प्रतिबंध लगाया था, पर क्या वहां सफलता मिली? अनेक कंपनियों ने चालाकी बरती है, बिना तंबाकू वाला पान मसाला बिकता है और उसके साथ में तंबाकू का एक पैकेट अलग से मुफ्त दिया जाता है। प्रतिबंध लगने के बावजूद व्यापारियों ने बचने के रास्ते निकाल लिए हैं। बिहार, गुजरात जैसे राज्य, जहां कहने को तो शराब प्रतिबंधित है, पर क्या वहां शराब का मिलना बंद हो गया है? ठीक इसी तरह से गुटखा के साथ हुआ है। लगातार चेतावनियों व विज्ञापनों के बावजूद गुटखा या तंबाकू का सेवन घट नहीं रहा है। इस दुर्व्यसन के आदी लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में, तेलंगाना में लगा प्रतिबंध कितना कारगर होगा, यह देखने वाली बात है। दरअसल, किसी भी प्रतिबंध का तभी लाभ है, जब सभी मिलकर प्रतिबंध की पालना करें। तेलंगाना अगर अपनी सीमा में प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करे, तो उसके पड़ोसी राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को भी सहयोग के लिए खड़ा होना पड़ेगा। देखा गया है कि किसी एक राज्य की भलमनसाहत को पड़ोसी राज्य प्राय: साकार नहीं होने देते।

गुटखों और पान मसालों से जुड़ी समस्याओं को अभी भी हम गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। भारत में जनसंख्या-आधारित कैंसर रजिस्ट्री में पाया गया कि 55 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के उपयोग से संबंधित थे। विगत वर्षों में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया गया, पर अच्छे परिणामों का अभी इंतजार है। लगे हाथ तंबाकू के दुष्परिणामों पर एक बार गौर कर लीजिए। भारत तंबाकू उत्पादों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। भारत में लगभग 21.4 प्रतिशत वयस्क धुआं रहित तंबाकू का उपयोग करते हैं, जबकि 10.7 प्रतिशत वयस्क धुआं वाले तंबाकू उत्पादों का सेवन करते हैं। भारत में तंबाकू छोड़ने की दर सबसे कम है, यहां सिर्फ 20 प्रतिशत पुरुष तंबाकू के दुर्व्यसन को छोड़ पाते हैं। वास्तव में, लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। साथ ही, ऐसे उत्पादों पर लगे प्रतिबंधों को जमीन पर उतारने की जरूरत है।

नजरिया

सबका कूड़ा बीनते हुए अपनी जिंदगी जीते लोगों की सुध

यहां दो एकड़ जमीन पर कूड़े के ढेर पसरे हैं और हर ढेर में शहर से जमा किया गया कूड़ा टूंस-टूंसकर भरा है। श्रमिक, जिनको हम कूड़ा बीनने वाला कहते हैं, शहर भर से कचरा जमा करते हैं और यहां लेकर आते हैं।

अनुराग बेहर, सीईओ,
अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

फिर, वे इनको छांटते हैं और हर वह छोटी-से-छोटी चीज अलग करते हैं, जिसका थोड़ा सा भी मोल होता है। इनको वह ठेकेदार ले लेता है, जिनके लिए वे काम करते हैं और वह जमा की गई प्लास्टिक की बोतलें, धातु और बाकी चीजें रीसाइक्लिंग, यानी फिर से इस्तेमाल के लायक बनाने के लिए बेच देता है। शेष कचरा यहां महीनों-वर्षों तक पड़ा रहता है और बढ़ता रहता है।

ये मजदूर यहीं कूड़े के बीच झोपड़ी बनाकर रहते हैं। इस 'डंपिंग साइट' पर 12 ठेकेदार हैं और सबके मजदूर अपने ठेकेदार के तय स्थान पर ही रहते हैं। ये अकेले नहीं, अपने पूरे परिवार के साथ यहां हैं। सुदूर इलाकों से या उन क्षेत्रों से इन्हें लाया गया है, जहां से ठेकेदार खुद आते हैं। यहां पर रहने वाले लोगों की संख्या करीब 500 है और वे कोई किराया नहीं देते, बल्कि इसके एवज में उन्हें अपने ठेकेदारों के लिए काम करना पड़ता है। कई श्रमिकों का तो पूरा परिवार इसी काम में जुटा है, उनके बच्चे भी। स्थिति अच्छी रही, तो पांच लोगों का परिवार 10 हजार और बुरे हालात में चार हजार तक कमा सकता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने इलाकों में कूड़ा बीन पाते हैं। ज्यादातर एक दिन में 30-40 किलोमीटर घूमते हैं। बीमार होने या किसी अन्य वजह से यदि वे ऐसा नहीं कर पाते, तो उस दिन की उनकी कमाई मारी जाती है। मौसम भी कभी-कभार रुकावट बन जाता है। हालांकि, हल्की-फुल्की बारिश, तेज धूप या ठंड उनको रोक नहीं पाती, हां, उनके कदम जरूर धीमे कर देती है। तेज बारिश नुकसानदेह होती है, क्योंकि पानी में कचरा छांटना काफी कठिन होता है।

दिन-ब-दिन और साल-दर-साल शहर की खाक छानने की इस यात्रा में जो लोग कचरा जुटाने के लिए रिक्शा आदि जुगाड़ करने में सक्षम रहे हैं, उनकी स्थिति अलग है। वे ज्यादा इलाकों से कचरा इकट्ठा कर पाते हैं और कूड़े की उनकी मात्रा भी अधिक होती है। मगर वे भी इस काम के आसन्न खतरे से बच नहीं पाते। चूंकि इन लोगों को अपने हाथ कूड़ेदानों में डालने पड़ते हैं, जिनमें कांच के टुकड़े, केमिकल, सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थ और इससे भी बदतर चीजें हो सकती हैं, इसलिए हाथों में गहरे घाव, संक्रमण और चर्मरोग इनके लिए पुरस्कार सरीखे बन जाते हैं। जिस डंपिंग साइट की मैंने यहां चर्चा की है, वहां पानी की व्यवस्था भी नहीं है। पीने और साफ-सफाई के लिए टैंक से पानी मंगवाना होता है, जिस पर इनको अपनी आमदनी का तकरीबन 10-20 फीसदी हिस्सा खर्च करना पड़ता है। बड़ी मशक्कत के बाद यहां कोई एनजीओ सुलभ शौचालय बनाने में सफल हो सका है। सुदूर इलाकों से आने के कारण इन लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है। एकाध के पास ही सरकारी योजनाएं पहुंच रही हैं। यहां के बच्चों को स्कूलों में दाखिला मिलना मुश्किल है, क्योंकि वे स्कूलों के लिए शायद 'गंदे छात्र' होते हैं। इस दो एकड़ जमीन पर छाया के नाम पर सिर्फ एक पेड़ है।

यह आशा से परे है कि ये फिलहाल इन ढेरों से बाहर निकल सकेंगे। हमारी सामाजिक संरचना शायद ही बदल सकती है। हां, हम यदि नैतिक साहस दिखाएं और निरंतर सामूहिक व राजनीतिक प्रयास करें, तो बात बन सकती है, लेकिन फिलहाल ऐसा करने में हम असमर्थ हैं। लिहाजा, हम अभी वैसे ही रहेंगे, जैसे हम जी रहे हैं और वे भी वैसे ही जीएंगे, जैसे हम उनको जीने देंगे। वैसे, हम चाहें, तो कुछ छोटे बदलाव कर सकते हैं। मसलन, उनको 'कचरा बीनने वाला' कहना बंद कीजिए, क्योंकि वे हमें स्वच्छ रखते हैं। राज्य और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। हमे अपने स्कूलों में उनके बच्चों को बर्दाश्त करना भी सीखना होगा या उनकी साफ-सफाई की मुकम्मल व्यवस्था करनी होगी। और अंत में, हमें घर का कचरा फेंकते वक्त शीशा, कांच या नुकीली चीजों को लेकर सावधान रहना चाहिए, ताकि इनके बच्चों को नुकसान न पहुंचे। इनके लिए हम कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बच्चों का मरना भयावह

राजकोट के टीआरपी मॉल के गेमिंग जोन में भीषण आग लगने से 33 लोगों की मौत हो गई। इनमें बच्चे भी हैं। सप्ताहांत के कारण मॉल में बहुत भीड़ थी। बता रहे हैं कि गेमिंग जोन में वेल्डिंग का काम भी चल रहा था। इसमें बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। लोग भीतर ही फंसे रह गए। धुआं इतना था कि पांच किलोमीटर दूर से नजर आ रहा था। आग के दरम्यान वहां का अस्थायी ढांचा भी ढह गया।

चश्मदीदों का कहना है कि अग्नि शमन की गाड़ियां बहुत देर से पहुंचीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ढांचे में बहुत सारे टायर होने के कारण धुआं अधिक फैला। सवाल है कि यहां गेमिंग की मंजूरी कैसे और किसने दी? अग्नि शमन विभाग द्वारा एनओसी ली गई या नहीं, आपातकालीन निकास की व्यवस्था क्यों नहीं थी? राज्य में इसी साल जनवरी में वडोदरा की झील में नाव डूबने के कारण बारह बच्चों की मौत हो गई थी।

उससे पहले मोरबी सस्पेंशन ब्रिज ढहने से 135 लोग मारे गए थे, जिनमें एक तिहाई बच्चे थे। 2019 में सूरत के कोचिंग सेंटर में लगी आग में बाइस छात्रों की मौत हो गई थी। सिलसिलेवार होने वाली इन भीषण घटनाओं को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि राज्य में शासन और व्यस्थागत गड़बड़ियां चरम पर हैं। बार-बार दुर्घटनाओं के बाद जांच और कुछ दोषियों के खिलाफ कदम उठाकर मात्र लीपापोती कर दी जाती है। एक साथ इतने लोगों की मौत, उस पर भी बच्चों का मरना भयावह है।

इस वक्त देश में भीषण गरमी पड़ रही है जिसके चलते आग लगने की घटनाएं आम हो गई हैं। दिल्ली के केअर सेंटर में भी शनिवार की रात ही आग में जल कर सात नवजात मर गए। बता रहे हैं, ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से वहां आग फैल गई। कुछ नवजात अभी लापता हैं, जिनके पालक इधर-उधर भटक रहे हैं। व्यावसायिक स्थलों पर सुरक्षा को लेकर इतनी लापरवाही कैसे बरती जाती है। इसके लिए जो लोग दोषी हैं, उनको सख्त सजाएं क्यों नहीं दी जातीं। से सभी दोषियों को लंबे समय के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार में या सहायक के तौर पर मदद के लिए लगाया जाए। जरूरी है कि गर्मी आने से पूर्व ही अस्पताल जैसे इदारों में अग्नि शमन प्रणाली को रूटीन बनाकर उन पर नजर रखने की कवायद लगातार जारी रखी जाए। बच्चों और अन्य हादसे के शिकार लोगों के परिवारों को केवल सरकारी मुआवजा देकर ही हाथ न झाड़े जाएं बल्कि उनके परिवार के प्रति भी जिम्मेदार लोगों को नैतिक और भावनात्मक सहयोग देने के सख्त आदेश दिए जा सकते हैं।

जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं, समाधान का माध्यम बने

ललित गर्ग

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर ज़िले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है।

वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं।

भारत के गांवों में रहने वाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल-संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल-संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर-पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन-चेतना जागृत करने की अपेक्षा है।

हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ-साथ जल-संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल-संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल-संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है।

स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे

प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगों के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा जुटाए डाटा में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें पायदान पर है। नीति आयोग ने कहा है, 'अभी 60 करोड़ भारतीय गंभीर से गंभीरतम जल संकट का सामना कर रहे हैं और दो लाख लोग स्वच्छ पानी तक पर्याप्त पहुंच न होने के चलते हर साल अपनी जान गंवा देते हैं।' इन जटिल एवं विकराल स्थितियों एवं डरावने तथ्यों के बावजूद हम पानी का इस्तेमाल करते हुए पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जैव विविधता पर मंडराता संकट चिंताजनक

रोहित कौशिक

'वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर'(डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते पांच दशकों में धरती की 68 प्रतिशत जैव विविधता नष्ट हो गयी है। इस दौरान हर दस में से सात जैव प्रजातियां खत्म हो चुकी हैं। सबसे ज्यादा हानि मीठे पानी के प्रजातियों को हुई है, जिनकी जनसंख्या में 84 प्रतिशत की भारी कमी आयी है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि जैव विविधता के संरक्षण हेतु ईमानदारी से प्रयास किये गये, तो भी 2050 से पहले इसमें सुधार की कोई संभावना दिखाई नहीं देती। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की भारत इकाई ने कहा है कि भारत में 12 प्रतिशत जंगली स्तनधारी जंतु और चिड़ियों की तीन प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं, जबकि 19 प्रतिशत उभयचर गंभीर खतरे में हैं।

अध्ययन में बताया गया है कि बीते चार दशकों में भारत की नम भूमि (वेटलैंड) का एक-तिहाई हिस्सा गायब हो चुका है। जैव विविधता पर मंडराता यह खतरा हमारे पर्यावरण के लिए नित नयी समस्या उत्पन्न कर रहा है। स्वार्थपूर्ति के चलते मनुष्य द्वारा किये गये प्राकृतिक दोहन के परिणामस्वरूप बीते चालीस वर्षों में पशु-पक्षियों की संख्या घटकर एक तिहाई रह गयी। इस दौरान पेड़-पौधों की विभिन्न प्रजातियां भी आश्चर्यजनक रूप से कम हुई।

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियां तो विलुप्त होने के कगार पर हैं। वास्तव में समृद्ध जैव विविधता हमारे पर्यावरण को पोषकता तो प्रदान करती ही है, हमारे जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। विडंबना यह है कि जैव विविधता के संकट को देखते हुए भी हम अपनी जीवनशैली को बदलने के लिए तैयार नहीं हैं। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपार्ट में कहा गया था कि मानवता उसी प्राकृतिक दुनिया को तेजी से नष्ट कर रही है, जिस पर उसकी समृद्धि और अस्तित्व टिका है।

वनों, महासागरों, भूमि और वायु के दशकों से हो रहे दोहन और उन्हें जहरीला बनाये जाने के कारण हुए बदलावों ने दुनिया को खतरे में डाल दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, जानवरों और पौधों की 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गयी हैं। ये प्रजातियां बीते एक करोड़ वर्ष की तुलना में हजारों गुणा तेजी से विलुप्त हो रही हैं। जिस तेजी से ये प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं, उसे देखते हुए डायनोसोर के विलुप्त होने के बाद से पृथ्वी पर पहली बार इतनी बड़ी संख्या में प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है।

रिपोर्ट में इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया था कि हम अर्थव्यवस्था, आजीविका, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य व जीवन की गुणवत्ता के मूल को ही नष्ट कर रहे हैं। अध्ययन में इस पर भी विचार-विमर्श किया गया था कि किस प्रकार हमारी प्रजातियों की बढ़ती पहुंच और भूख ने सभ्यता को बनाये रखने वाले संसाधनों के प्राकृतिक नवीनीकरण को संकट में डाल दिया है।

संयुक्त राष्ट्र के जैव विविधता व पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के विशेषज्ञ जोसेफ सेटल के अनुसार, लघुकाल में मनुष्यों पर खतरा नहीं है, परंतु दीर्घकाल में यह कहना मुश्किल है। यदि मनुष्य विलुप्त होते हैं तो प्रकृति अपना रास्ता खोज लेगी, क्योंकि वह हमेशा ऐसा कर लेती है। प्रकृति को बचाने के लिए बड़े बदलावों की जरूरत है। हमें हर सामग्री के उत्पादन, पैदावार और उसके उपभोग के तरीके में आमूलचूल बदलाव करना होगा। दरअसल पशु-पक्षी अपने प्राकृतिक आवास में ही अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं। प्राकृतिक आवास में ही इनकी जैविक क्रियाओं के बीच एक संतुलन बना रहता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस दौर में विभिन्न कारणों से पक्षियों का प्राकृतिक आवास उजड़ता जा रहा है। बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण वृक्ष लगातार कम होते जा रहे हैं। बाग-बगीचे उजाड़कर इन जगहों पर खेती-बाड़ी की जा रही है।

जलीय पक्षियों का प्राकृतिक आवास भी सुरक्षित नहीं बचा है। इन्हीं सब कारणों से किसी एक निश्चित जगह पर स्थापित होने के लिए पक्षियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। एक ओर पक्षी मानवीय लोभ की भेंट चढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन के कारण इनकी संख्या लगातार घटती जा रही है। पक्षी विभिन्न रसायनों एवं जहरीले पदार्थों के प्रति अति संवेदनशील होते हैं। ऐसे पदार्थ भोजन या फिर पक्षियों की त्वचा के माध्यम से अंदर पहुंचकर उनकी मौत का कारण बनते हैं।

डीडीटी, विभिन्न कीटनाशक और खरपतवार खत्म करने वाले रसायन पक्षियों के लिए खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं। मोर जैसे पक्षी कीटनाशकों के चलते काल के गाल में समा रहे हैं। पर्यावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला गिद्ध पशुओं को दी जाने वाली दर्द निवारक दवा की वजह से मौत का शिकार हो रहे हैं।

यह भी सच है कि जब भी जीवों के संरक्षण की योजनाएं बनती हैं तो बाघ, शेर तथा हाथी जैसे बड़े जीवों के संरक्षण पर तो ध्यान दिया जाता है, परंत पक्षियों के संरक्षण को अपेक्षित महत्व नहीं दिया जाता है। वृक्षों की संख्या में वृद्धि, जैविक खेती को प्रोत्साहित तथा माइक्रोवेव प्रदूषण को कम करके बहुत हद तक पक्षियों को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। समय आ गया है कि सरकार और हम सब मिलकर जैव विविधता को बचाने का सामूहिक प्रयास करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मुख्यमंत्री नोनी बाबू शिक्षा सहायता योजना संचालित

कोरबा । छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल (श्रम विभाग) द्वारा अधिसूचित 60 प्रवर्ग के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के शिक्षा सहायता हेतु मंडल द्वारा मुख्यमंत्री नोनी बाबू शिक्षा सहायता योजना का संचालन किया जा रहा है, उक्त योजना में पंजीकृत निर्माण श्रमिक के प्रथम दो बच्चों को आईटीआई, आईआईटी, इंजीनियरिंग, बीटेक, एमटेक, बीआर्क, एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, कृषि के समस्त कोर्स, बीएड, डीएड, एमएड, सीपीईडी, बीसीए, एमसीए, बीबीए, एमबीए, एलएलबी, एलएलएम, मेडिकल लॉ, डेन्टल, नर्सिंग, जीएनएम नर्सिंग, बी-फार्मेसी, डी-फॉर्मेसी, पॉलिटेक्निक एवं डिप्लोमा कोर्स (यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से) इत्यादि व्यवसायिक कोर्स पर प्रवेश लेने वाले छात्र/छात्राओं को प्रत्येक षिक्षा सत्र में अधिसूचना अनुसार शैक्षणिक शुल्क, छात्रावास में रहने एवं भोजन पर होने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति मंडल द्वारा शासकीय संस्था में लागू शुल्क/दर के बराबर दिया जाना प्रावधानित है एवं योजना अंतर्गत भारत के बाहर किसी भी देष में उक्त व्यवसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययन करने पर प्रत्येक शिक्षा सत्र की वास्तविक प्रवेश शुल्क अथवा अधिकतम राषि रूपये 50,00,000/- (अक्षरी पचास लाख रू. मात्र) के बराबर (उस देश के लिए निर्धारित करेंसी की अद्यतन दर पर) सहायता राशि दी जाएगी साथ ही छात्रावास शुल्क, वीजा शुल्क, बीमा प्रीमियम तथा यातायात शुल्क देय होगा। इस योजना हेतु पंजीकृत निर्माण श्रमिक के द्वारा ऑनलाइन आवेदन अपने नजदीकी संचालित च्वाइस सेंटर/लोक सेवा केंद्र या सहायक श्रमायुक्त कार्यालय कोरबा में आवेदन कर सकते है और साथ ही सभी विकास खंडों के मुख्यालय में संचालित मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्रो तथा आयोजित शिविर के माध्यम से इस योजना के लिए आवेदन कर सकतें है।

जिला प्रशासन की पहल पर कुपोषण मुक्ति के लिए पोट्ठ लईका विशेष अभियान प्रारंभ

राजनांदगांव। जिला प्रशासन की पहल पर कुपोषण मुक्ति के लिए पोट्ठ लईका विशेष अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। जिसके लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल की उपस्थिति में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में छुरिया, डोंगरगांव और राजनांदगांव विकासखंड में अभियान के संचालन के लिए मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर अग्रवाल ने सभी अधिकारियों को बच्चों में कुपोषण मुक्ति और किशोरी बालिकाओं तथा महिलाओं के स्वास्थ्य के स्तर में सुधार के लिए दिल से काम करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि इस कार्य को समुदाय के प्रति अपनी जिम्मेदारी मानते हुए समुदाय के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिले के कुपोषित बच्चे को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए जनसहभागिता से सघन अभियान चलाकर यह कार्य किया जायेगा। उन्होंने महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को प्रति शुक्रवार स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी देने के लिए कहा। कलेक्टर संजय अग्रवाल के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह के निर्देशन में यह विशेष अभियान चिन्हांकित क्षेत्रों में सघन तौर पर चलाया जाएगा। कुपोषण मुक्ति के इस अभियान में यूनिसेफ एबिस तथा जिले के अन्य सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी सहयोग किया जाएगा। कार्यशाला में जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों को इस अभियान से जुडने के लिए प्रेरित किया गया।

जल संरक्षण के लिए सभी शासकीय भवनों में बनाएं रेन वॉटर हार्वेस्टिंग : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कलेक्टर नम्रता गांधी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को जल संरक्षण के लिए शासकीय भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे ग्राम पंचायत जहां रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, रूफटॉप स्ट्रक्चर और वेस्ट वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बन गए हैं, उन्हें जियो टैग किया जाये।

साथ ही गांवों में जल संरक्षण संबंधी नारा, स्लोगन, जागरूकता रैली, दीवार लेखन करने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया जाये। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जिले में भूजल स्तर तेजी से गिरता जा रहा है और पानी की दिक्कत भी हो रही है। इसके साथ ही रविशंकर सागर

जलाशय गंगरेल बांध का भी जल स्तर गिरता जा रहा है। कलेक्टर ने सभी सीईओ, सीएमओ को आगामी विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर जागरूकता फैलाने कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर जी.आर.मरकाम, संयुक्त कलेक्टर रामकुमार कृपाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने खाद-बीज की उपलब्धता, भण्डारण और उठाव की जानकारी ली और इसमें किसी तरह की दिक्कत हो तो अवगत कराने कहा। कलेक्टर ने पौधरोपण के लिए अब तक जिन विभागों ने मांगपत्र प्रस्तुत नहीं किया, उन्हें तत्काल मांगपत्र प्रस्तुत करने कहा। साथ ही सहायक संचालक, उद्यान को निर्देशित किया कि वे वृक्षारोपण के लिए नर्सरी में पौधे तैयार करा लें तथा आयुष के पौधे भी तैयार कराएं।

शिक्षा के अधिकार की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आरटीई के तहत मिले आवेदनों और इस पर की गई कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने साफतौर पर कहा कि आरटीई के तहत किसी तरह की राशि की मांग नहीं की जाये, इसका अधिकारी ध्यान रखें। कलेक्टर ने जिले के स्कूलों में संचालित समर कैम्प की जानकारी लेते हुए कमार बसाहटों का विशेष ध्यान रखने कहा। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र की स्थिति की जानकारी लेते हुए हर सप्ताह समय सीमा की बैठक में इसकी जानकारी देने के निर्देश दिए।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को स्वास्थ्य केन्द्रों का नियमित निरीक्षण कर ओपीडी पर्ची, डॉक्टर द्वारा लिखी जा रही कंपनी की दवा, मरीजों को समय पर दवा मिल रही या नहीं इत्यादि का मुआयना करने के निर्देश दिए। साथ ही आभा एप की जानकारी लोगों को अधिक से अधिक पहुंचाने के निर्देश कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए। इसके लिए अस्पतालों में आभा एप संबंधी जानकारी को दर्शाते बोर्ड लगाने कहा। कलेक्टर ने बैठक में समय सीमा के प्रकरणों की समीक्षा की और इसे निराकरण करने के निर्देश दिए।

जिले में चलाया जा रहा है जल सुरक्षा कार्यक्रम अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में 27 मई से 15 जून 2024 तक जल सुरक्षा कार्यक्रम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत् ग्राम पंचायतों में जल सुरक्षा चौपाल व शपथ कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जल सुरक्षा सूत्र में विभिन्न गतिविधियों का संचालन हो रहा है।

जिसके अंतर्गत समस्त शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टींग सिस्टम की मरम्मत साफसफाई एवं नवीन निर्माण, ग्राम पंचायतों में जल वाहिनी दीदीयों की सभा का आयोजन, ग्राम पंचायतों में

स्थित तालाबों में डिसिल्टिंग कार्य, वर्षा जल को संचित करने हेतु रिचार्ज पिट का निर्माण, सभी ग्राम/नगर वार्डों में नगर निकाय स्तर पर जल स्त्रोत की सफाई का कार्य, पेय जल स्त्रोतों के पास सोखता गड्ढों की साफ सफाई एवं निर्माण, प्राकृतिक वर्षा जल बहाव क्षेत्र (नालो) में गाद की साफ सफाई, वर्षा जल संचयन हेतु जल अवशोषण गड्ढो का निर्माण, मृदा में नमी की मात्रा का परीक्षण एवं नालों में जल बहाव की मात्रा का परीक्षण, कुओं की साफसफाई एवं मरम्मत, वर्षा जल संरक्षण हेतु समस्त विभागों की कार्यशाला का आयोजन, भूमिगत जल संचयन हेतु डाईक निर्माण, ग्राम पंचायत के युवाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों में जल सुरक्षा की जागरूकता हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन, ग्राम पंचायतो में नवीन तालाबों एवं डबरियों का निर्माण, मल्चिंग, फसल चक्र और जैविक खेती तकनीकों जैसी प्रथाओं को बढ़ावा देना जो मिट्टी की नमी को संरक्षित करने और कृषि में पानी की खपत को कम करने हेतु प्रयास इत्यादि कार्य शामिल है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग अश्विनी देवांगन ने बताया कि 60 ग्राम पंचायतो में जल सुरक्षा चौपाल का आयोजन होगा। विकासखण्ड धमधा अंतर्गत खेरधा, मुड़पार, बरहापुर, देवरी, धौराभाठा, तरकोरी, बिरेभाठ (हिरेतरा), अकोला, नंदिनीखुंदिनी, पिटौरा, मोहलाई, ठेंगाभाट, नवागांव (स), साल्हेखुर्द, पुरदा, घोंठा, ढौर हि., लंहगा, पोटिया (में), बिरेझर ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी प्रकार विकाखण्ड दुर्ग अंतर्गत ग्राम पुरई, रिसामा, धनोरा, बोरई, घुघसीडीह, अण्डा, बासीन, अंजोरा ख, थनौद, चंदखुरी, कोलिहापुरी, समोदा, ननकट्टी, निकुम ग्रामों में एवं विकासखण्ड पाटन के अतर्गत , गाड़ाडीह, सेलुद, सांतरा, टेमरी, बेल्हारी, कसही, परसाही, धमना, रानीतराई, लोहरसी, तर्रा, चीचा, सिकोला, दरबारमोखली, बेलौदी, करगा, रवेली, सावनी इत्यादि ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। भारत सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित करने हेतु प्रत्येक वर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार आयोजित करती है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि 31 जुलाई 2024 की स्थिति में 5 वर्ष से अधिक एवं 18 वर्ष से कम भारतीय निवासी जो भारत में रहता हो जिन्होंने बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण कला, संस्कृति एवं नवाचार के क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिया है। जो राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता के पात्र है को यह पुरस्कार (एक पदक, प्रमाण-पत्र/प्रशस्ति-पत्र) प्रत्येक वर्ष की भांति जनवरी में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में माननीय राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में दिया जाना है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए आवेदन प्राप्त करने का पोर्टल में 01 अप्रैल 2024 से लाइव कर दिया गया है। कोई भी बच्चा जिसकी आयु 5 वर्ष से अधिक है और 18 वर्ष (31 जुलाई 2024 को) से अधिक नहीं है जो भारतीय नागरिक है।

सावधानी से करें पोस्टल बैलेट एवं ईटीपीबीएस की गणना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। लोकसभा निर्वाचन 2024 अन्तर्गत आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पोस्टल बैलेट एवं ईटीपीबीएस की गणना के संबंध में सहायक रिटर्निंग अधिकारी, गणना सुपरवाईजरों तथा मतगणना दलों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत ने डाकमत पत्र एवं ईटीपीबीएस की गणना में नियुक्त कर्मचारियों को सावधानी एवं सतर्कता के साथ गणना कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित टेबल में समय पर उपस्थिति तथा डाक मतपत्र के गणना की अन्य प्रक्रियाओं को सावधानी से करने के निर्देश दिए।

मास्टर ट्रेनर्स डॉ.एम.एम.जोशी ने ईटीपीबीएस तथा डाक मतपत्र की गणना के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने ईटीपीबीएस को स्कैनिंग, सीरियल

नंबर मिलान करने, लिफाफा से घोषणा एवं मतपत्र अलग करने, क्यूआर कोड स्कैन करने, सुपरवाइजर तथा प्रोग्रामिंग के दायित्व, डाक मतपत्र का लिफाफा खोलने, घोषणा एवं मतपत्र का मिलान करने, घोषणा पत्र में हस्ताक्षर, अनुपूरणकर्ता के हस्ताक्षर, पदनाम, सीरियल नंबर, डाक मत पत्रों की संवीक्षा तथा विधिमान्य एवं अविधिमान्य करने निर्धारित मापदंड, कबूतर खाने में विधिमान्य डाक मतपत्रों को रखने, मतपत्र लेखा में लिखने सहित अन्य प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

छत्तीसगढ़ में महंगी होगी बिजली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । चुनावी आचार संहिता खत्म होते ही कई सेक्टर में बिजली का झटका लगने वाला है। राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रस्ताव व जनसुनवाई के बाद राज्य विद्युत नियामक आयोग अगले महीने नई दरें जारी कर सकता है।

राज्य विद्युत वितरण कंपनी ने 4,420 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय की जरूरत बताते हुए 20 प्रतिशत तक टैरिफ में वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। चुनावी साल की वजह से बीते वर्ष बिजली की नई दरें लागू नहीं की गई थीं, लेकिन इस बार नई दरें लागू करने की तैयारी है। इसका असर ज्यादातर उद्योग-व्यापार क्षेत्र में आ सकता है। उद्योगपतियों ने जनसुनवाई में अपना पक्ष रखा है। संगठनों की मांग है कि विभाग को पहले लाइन

लास कम करने की रणनीति बनानी चाहिए, ताकि विद्युत दरें बढ़ाने की आवश्यकता ना पड़े।

बिजली दरें बढ़ने से महंगाई बढ़ेगी। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के एमडी आरके शुक्ला ने कहा, लाइन लास को रोकने के लिए लगातार काम जारी है। केंद्र सरकार की वितरण क्षेत्र में सुधार योजना के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में युद्धस्तर पर काम हो रहा है। आने वाले समय में हम लाइन लास काफी कम कर लेंगे। छत्तीसगढ़ विद्युत उपभोक्ता महासंघ के अध्यक्ष श्याम काबरा ने कहा, प्रदेश में लाइन लास 16 से 18 प्रतिशत हैं, वहीं गुजरात में यह तीन प्रतिशत के करीब है।

हमने सुझाव दिया है कि कि कई ऐसे तरीके हैं, जिनका अनुपालन करते हुए वितरण राजस्व में नुकसान को कम कर सकते हैं। प्रदेश के कुछ क्षेत्र में 50 प्रतिशत तक लाइन लास है। घाटे की भरपाई टैरिफ दरें ही बढ़ाकर करना उचित नहीं है।

प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 65 लाख हैं,लेकिन बिजली की नई दरें तय करने के लिए विद्युत नियामक आयोग की जनसुनवाई में 65 उपभोक्ता भी नहीं पहुंचे। विशेषज्ञों का कहना है कि नियामक आयोग की जनसुनवाई इससे पहले प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित होती थी, जिसमें जनसमुदाय जुड़ते थे, लेकिन 2012 से इसे बंद कर दिया गया। जनसुनवाई में सुझावों के लिए आनलाइन विकल्प भी उपभोक्ताओं को मिलना चाहिए। इसका विपरीत प्रभाव यह हो रहा है कि टैरिफदरों में सीएसपीडीएल के प्रस्तावों पर ही नियामक आयोग मुहर लगा रहा है। इसी आधार पर बिजली की दरें घोषित हो रही हैं।

बढ़ती गर्मी में लू के लक्षण एवं बचाव के उपाय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी दृष्टिकोण के अनुसार प्रदेश सहित जिले में भी औसत तापमान अधिक होने की संभावना है। अधिकांश भागों में लू-तापघात की स्थिति निर्मित हो सकती है। मौसम को ध्यान में रखते हुए राज्य में लू-तापघात से आवश्यक तैयारी एवं बचाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश तैयार किये गये हैं। इसमें लू के लक्षण एवं बचाव के कारण बताये गये हैं।

'लू के लक्षण-' सिर से भारीपान और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक हो जाने के बाद भी पसीने का न आना, अधिक प्यास और पेशाब कम आना, भूख कम लगना तथा बेहोश होना।

'लू से बचाव के उपाय -' लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप और गर्मी से ज्यादा

देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यतया नमक की कमी हो जाना होता है। अत: इससे बचाव के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए- बहुत अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाए। धूप से निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें। पानी अधिक मात्रा में पीये और अधिक समय तक धूप में न रहें। गर्मी के दौरान नरम मुलायम सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे। इसी प्रकार अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें। चक्कर आने, उल्टी आने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें तथा शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फ्ल का रस, लस्सी, मठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से नि:शुल्क परामर्श लिया जाए और उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र से जरूरी सलाह लिया जाए।

'लू लगने पर किये जाने वाला प्रारंभिक उपचार-' बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठण्डे पानी की पट्टी लगावें, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलावें जैसे कच्चे आम का पना, जल जीरा आदि, पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देवें, शरीर पर ठण्डे पानी का छिड़काव करते रहें, पीड़ित व्यक्ति को यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जाए तथा मितानिन ए.एन.एम. से ओ.आर.एस. के पैकेट हेतु संपर्क करें।

क्या न करें - गर्मी के दौरान बाहर न जाए, यदि आपको आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना है तो दिन के शीतलन घंटो के दौरान अपनी सारणी निर्धारित करने का प्रयास करें। अत्यधिक गर्मी के घंटो के दौरान बाहर जाने से बचे (विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच), नंगे पैर या बिना चेहरे को ढ़के और बिना सिर ढककर बाहर न जाए। व्यस्थतम समय (दोपहर) के दौरान खाना पकाने से बचे, खाना पकाने वाले क्षेत्रों (रसोई घरों) में दरवाजे और खिड़कियां खोल कर रखें, जिससे पर्याप्त रूप से हवा आ सके। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड पेय, पीने से बचे जो शरीर को निर्जलित करते हैं। उच्च प्रोटीन, मसालेदार और तेलीय भोजन खाने से बचे, बासी खाना न खाए। बीमार होने पर बाहर धूप में न जाए, घर पर रहे।

हीट वेव क्या करें और क्या न करें

'क्या करें-' जितना हो सके पर्याप्त पानी पीये, भले ही प्यास न लगी हो। मिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर से संबंधित रोग वाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हो, तरल पदार्थ लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहने। ओ.आर.एस. (ओरल रिहाइड्रेशन) घोल, घर का बना पेय लस्सी, (तोरानी चावल) का पानी, नींबू का पानी, छांछ आदि का उपयोग करें। बाहर जाने से बचे, यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो अपने सिर (कपड़े/टोपी या छाता) और चेहरे को कवर करें। जहां तक संभव हो किसी भी सतह को छूने से बचें।

'अन्य सावधानियां-' जितना हो सके घर के अंदर रहें। अपने घर को ठंडा रखें-धूप से बचाव के लिए दिन में पर्दे, शटर का उपयोग करें और खिड़कियां खोलें। निचली मंजिलों पर बने रहने का प्रयास करे। पंखों का उपयोग करें, कपड़ों को नम करें और अधिक गर्मी में ठंडे पानी में ही स्नान करें। यदि आप बीमार महसूस करते हैं-उच्च बुखार/लगातार सिरदर्द/चक्कर आना/मतली या भटकाव/लगातार खांसी/सांस की तकलीफहै तो तुरंत डॉक्टर को दिखाये।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राज्यपाल से छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र विकास समिति सदस्यों ने की मुलाकात

रायपुर (ए.)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में रितुराज साहू अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र विकास समिति (एमए छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन) के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को राज्य मे शिक्षा, शासकीय कामकाज एवं रोजगार के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा कर उन्हें अवगत कराया और ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर समिति के सदस्य अजय पटेल, जितेन्द्र यादव, सुश्री पूजा परघनिया, सुश्री अदिति गुप्ता, सुश्री किरण देवांगन, विनय बघेल, अंकित देवांगन, संजीव साहू, खेमराज उपस्थित थे।

रायपुर में बिना सर्जरी के अब दांतो का होगा उपचार

रायपुर (ए.)। दांतो में किसी कारण चोट लगने या सड़न होने पर होने वाले इन्फेक्शन जिसको पेरी एपीकल लीजन कहा जाता है यह धीरे-धीरे जबड़े की हड्डी में फैलने लगता है, जिसका सही समय पर उपचार न होने के वजह से हड्डी गलने लगती है। पूर्व में इसका उपचार सर्जरी द्वारा ही किया जाता था। यह उपचार शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुन्हप्पन द्वारा बिना सर्जरी के ही नई अत्याधुनिक पद्धति ट्रिपल एंटीबायोटिक पेस्ट व एमटीए का उपयोग करके रूट कैनाल ट्रीटमेंट से इलाज किया जाता हैं। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर पूरे छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे भारत में इस पद्धति से इलाज के लिए विख्यात है। यहां दूर दूर से मरीज इलाज के लिए आते है। इस पद्धति की खोज डॉ. संजीव कुन्हप्पन द्वारा की गई है। अब यह पद्धति भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय के माध्यम से डॉ. संजीव द्वारा पेटेंट करा लिया गया है। जो कि शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।

विजन डाक्यूमेंट संबंधी स्टेयरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

रायपुर (ए)। अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 डाक्यूमेंट हेतु गठित स्टेयरिंग कमेटी की दूसरी बैठक राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री अजय सिंह की अध्यक्षता एवं मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की सह अध्यक्षता में राज्य नीति आयोग में आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ 2047 विजन डाक्यूमेंट तैयार किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई।

भाजपा पार्षदों ने जब्त करवायी निर्माण सामग्री, दी चेतावनी

पट गया करबला तालाब का बड़ा हिस्सा, बेखबर है निगम?

रायपुर (ए.)। रायपुर नगर निगम के अंतर्गत कितना बड़ा भी गोलमाल हो जाए वो कम ही है, ताजा मामला ये है कि चौबे कॉलोनी स्वामी आत्मानंद सरोवर (करबला तालाब) को सौंदर्यीकरण के नाम पर तालाब के एक ओर के पाथवे को बन्द कर तालाब को पाटे जाने की शिकायत मिलने पर भाजपा पार्षद दल नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे के नेतृत्व में स्पाट पर पहुंच कर जोन आयुक्त और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को मौके पर ही बुलाया। आम जनता के लिए बनाए गए वाकिंग पाथवे को बन्द कर उसमें पड़ी निर्माण सामग्री को दिखाते हुए पूछा गया कि क्या इस निर्माण की जानकारी आपको है या नहीं इस पर अधिकारियों ने अनभिज्ञता जाहिर की तब भाजपा पार्षद दल ने अवैध निर्माण की सामग्री लोहे के छड़, सीमेंट

इत्यादि की जब्ती कराते हुए कहा कि हम तालाब की एक इंच भी जमीन पटने नही देंगे। श्रीमती चौबे के साथ वरिष्ठ पार्षद मृत्युंजय दुबे, अमर बंसल, दीपक जायसवाल, सरिता आकाश दुबे व अन्य पार्षद शामिल थे।

मीनल चौबे ने कहा कि बहुत ही आश्चर्यजनक बात है कि अवैध निर्माण कब्जा करने के लिहाज से हो रहा है और जोन कमिश्नर से लेकर अधिकारी-कर्मचारी कहते हैं कि उन्हे नहीं मालूम, तो आखिर किनके संरक्षण में काम हो रहा है। कोई भी बिल्डर, एजेंसी या रसूकदार क्यों न हों अवैध काम तो होने नहीं देंगे। कार्रवाई होकर रहेगी क्योंकि अब राज्य में भाजपा की सरकार है। पूर्ववर्ती सरकार के संरक्षण में इस प्रकार के काम पिछले पांच सालों में चले हैं, अभी तो महज चेतावनी है आगे यदि फिर से काम हुआ तो पुलिस कार्रवाई होगी, जितने कब्जाधारी निर्माण है सबको हटाया जायेगा। आम लोगों को कोई असुविधा नहीं होगी और तालाब को पूरी तरह यथावत सरंक्षित रखा जायेगा।

हेमचंद माझी को वाय श्रेणी की सुरक्षा, गृह विभाग द्वारा आदेश जारी

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा हेमचंद माझी को वाय श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इस संबंध में गृह विभाग मंत्रालय महानदी भवन से आदेश जारी किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा प्रोटेक्शन रिव्यू गुप की बैठक में हेमचंद माझी (नारायणपुर) को सुरक्षा श्रेणी प्रदान किए जाने की अनुशंसा और प्रदेश में वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए, यह आदेश जारी किया गया है।

बसों को रोकने पर बढ़ा ट्रांसपोर्ट यूनियन में विवाद

दोनों राज्यों के बीच चल रही यात्री बसों के पहिए 11 जून से थमने की संभावना

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ और ओडिशा ट्रांसपोर्ट यूनियन में विवाद बढ़ता जा रहा है। ऐसे हालात में दोनों राज्यों के बीच चल रही यात्री बसों के पहिए 11 जून से थमने की संभावना है। ओडिशा में छत्तीसगढ़ की यात्री बसों को रोके जाने के बाद यातायात महासंघ से जुड़े ऑपरेटरों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी बसें वहां नहीं चलने दी गई तो वे भी ओडिशा से आने वाली बसों को छत्तीसगढ़ में घुसने नहीं देंगे।

छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि दोनों राज्यों के बीच अंतरराज्यीय परमिट के तहत बसों का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए नियमानुसार रूट और समय निर्धारित किया गया है, लेकिन ओडिशा के बस मालिक अपने मनमुताबिक इसका संचालन कर रहे हैं। इसकी शिकायत परिवहन सचिव एस. प्रकाश और अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर से की गई है। उन्हें ज्ञापन सौंपकर बताया गया है कि ओडिशा से आने वाली बसें छत्तीसगढ़ में चल रही हैं, लेकिन यहां की बसों को वहां रोककर लौटाया जा रहा है।

पिछले दिनों यातायात महासंघ की हुई वार्षिक बैठक में चर्चा करने के बाद तय किया गया था कि जल्द ही इसका समाधान नहीं निकाला गया तो 11 जून से ओडिशा की बसों को

छत्तीसगढ़ सीमा पर रोक दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनवर अली ने बताया कि उनकी बसों को ओडिशा में रोका जा रहा है, जबकि अंतरराज्यीय समझौते के तहत ही दोनों राज्यों के बीच बसों का संचालन होता है।

सवारी को लेकर बढ़ा विवाद

बस मालिकों का कहना है कि एक्सप्रेस ट्रेनों में भीड़ होने और कंफर्म टिकट नहीं मिलने के कारण अधिकांश लोग बसों में सफर करते है। छत्तीसगढ़ से चलने वाली बसों का किराया ओडिशा ट्रांसपोर्ट की अपेक्षा कम होने के और सुविधा को देखते हुए उनकी बसों में सफर करते है। इसे देखते हुए ओडिशा ट्रांसपोर्ट यूनियन के लोग उनकी बसों को चलने नहीं दे रहे हैं जबकि परिवहन विभाग द्वारा समझौते के तहत ही टैक्स, किराया, परमिट और समय निर्धारित किया गया है।

प्रतिदिन 10 हजार से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही

छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से ओडिशा के पुरी, भुवनेश्वर, संबलपुर, बरगढ़, भवानीपटना, राउलकेला, दामनजोड़ी, जैपुर, काटाभांजी सहित कुछ अन्य शहरों के लिए यात्री बसों का संचालन होता है। इनके जरिए दोनों ही राज्यों के बीच रोजाना 10 हजार से ज्यादा यात्रियों का आवागमन होता है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच कुछ मार्गों पर परमिट के साथ दोनों ओर से बसें चलाने का अनुबंध है। इसके लिए दोनों राज्यों के बीच हुए समझौते के तहत ऑपरेटर को उन मार्गों पर बसों के लिए परमिट जारी किया गया है।

छग में आचार संहिता खत्म होते ही शुरू होगी शिक्षकों की भर्ती

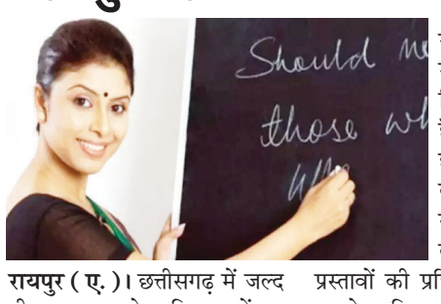

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में जल्द ही 10 हजार से अधिक पदों पर शिक्षकों की भर्ती हो सकती है। चार जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद आचार संहिता हटते कई विभागों में भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। स्कूलों के साथ ङ्क साथ राजकीय विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भर्ती का रास्ता खुलेगा।

यहां बता दें कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के कारण कई महीनों से भर्ती नहीं की गई है, कई विभागों में लंबे समय से नियुक्तियां लंबित हैं। आचार सहिंता हटने के बाद प्रदेश के कई विभागों में सरकारी नौकरियों के लिए लंबित प्रस्तावों की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। सबसे अधिक भर्ती स्कूल शिक्षा विभाग में होनी है। संभावना है कि सबसे पहले इसी विभाग की भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) में भर्तियों के कई प्रस्ताव आने के बाद प्रक्रिया अटकी हुई है। इनमें प्रमुख रूप से कालेजों में प्रोफेसरों की भर्ती का मामला है। नियमों में कुछ बिंदु ऐसे थे जिनपर आपत्ति की गई, बाद में नियम संशोधन के चक्कर में यह भर्ती नहीं हो पाई

218 गायों, बछडों का किया गया एचएस प्लस बीक्यू टीकाकरण

रायपुर (ए.)। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार पशु धन विभाग के सहयोग से नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 के क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले फुण्डहर क्षेत्र के पशु गौठान मे 218 गायों एवं बछडों का एचएस प्लस बीक्यू टीकाकरण किया गया। टीकाकरण अभियान में पशु धन विभाग के अधिकारी एमएल चंद्राकर, आदर्श मिरगे, विनोद साहू, सुखचंद साहू, उदय शाह सहित नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के निर्देश पर फुण्डहर पशु गौठान प्रभारी नगर निगम जोन 9 स्वच्छता पर्यवेक्षक भोला तिवारी एवं गोठान के सभी कर्मचारियों का सहयोग रहा।

सफाई मित्रों ने की हीरापुर तालाब की सफाई

रायपुर (ए.)। तालाब की सफाई को लेकर की गई जनशिकायत पर नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 8 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन के नेतृत्व में 13 सफाई मित्र कामगारों की सहायता से नगर निगम जोन नम्बर 8 के तहत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 के क्षेत्र के तहत हीरापुर टेंगना तालाब के किनारों एवं तालाब के पाथ वे की सफाई करवाकर लगभग दो टाटा एस वाहन कचरा उठवाकर की जनहित में

जनस्वास्थ्य सुरक्षा बाबत स्वच्छता कायम करते हुए प्राप्त जनशिकायत का तत्काल निदान किया गया।

पंजा लड़ाई में श्रीमंत को गोल्ड मेडल

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के लाल श्रीमंत झा ने उबेकिस्तान में आयोजित एशिया पैरा आर्म-रेसलिंग चैंपियनशिप (पंजा लड़ाई) में गोल्ड मेडल जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, श्रीमंत ने पुनः छत्तीसगढ़ को वैश्विक मंच पर गौरान्वित किया है। श्रीमंत को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनों सहित हार्दिक बधाई।

श्रीमंत पिछले 12 साल से प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के लिए 40 से अधिक मेडल जीते हैं। मूल रूप से भिलाई के रहने वाले श्रीमंत झा जिंदल स्टील एंड पावर में असिस्टेंट इंजीनियर के तौर पर कार्यरत हैं। खेलो इंडिया गेम्स में नेशनल पैरा आर्म रेसलिंग में प्रदेश के खिलाड़ी श्रीमंत झा ने आर्म रेसलिंग में गोल्ड मेडल जीता था। श्रीमंत का फाइनल में मुकाबला हरियाणा के खिलाड़ी से हुआ, जिसमें स्वर्ण पदक जीता था।

वालीबाल संघ दे रहा है 32 बच्चों को प्रशिक्षण

रायपुर (ए.)। जिला प्रशासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न खेलों के लिए 22 मई से 11 जून तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री हटकेश्वर नाथ वालीबाल संघ महादेव घाट रायपुर द्वारा वॉलीबॉल का प्रशिक्षण राष्ट्रीय रेफरी दुर्गा प्रसाद पटनायक एवं कोच द्वारा 32 बच्चों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार निशुल्क योजना के अंतर्गत पुनः पंजीयन कराकर वॉलीबॉल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। रमाकांत निषाद सचिव द्वारा बताया गया कि अभी तक 37 बच्चों को पंजीयन फॉर्म का वितरण किया गया है जिसमें से 32 बच्चों का फॉर्म जमा हो चुका है। वर्तमान में इस वॉलीबॉल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 32 बच्चें आ रहे हैं। बच्चों का यहां आना निरंतर जारी है शेष बच्चों द्वारा शीघ्र ही फॉर्म जमा करने की जानकारी दी गई।

अवैध कब्जा हटाने की मांग लेकर सड़क पर उतरे सैकड़ों ग्रामीण

रायपुर (ए.)। अभनपुर क्षेत्र के ग्राम कुर्रा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने आज अभनपुर-नवापारा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे पौने दो घण्टे तक आवागमन प्रभावित रहा। अधिकारियों की समझाइश और तत्काल बेजा-कब्जा हटाए जाने की कार्रवाई के बाद ग्रामीणों का चक्काजाम समाप्त हुआ।

यहां बता दें कि ग्रामीणों द्वारा अभनपुर-नवापारा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम की खबर के बाद प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन देकर चक्काजाम खत्म करने का अनुरोध किया, लेकिन ग्रामीण कब्जा हटाने की मांग पर अड़े रहे। जिसके बाद प्रशासन ने जब तत्काल अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई की तब जाकर ग्रामीणों ने चक्काजाम खत्म किया। कुर्रा ग्रामवासियों के मुताबिक, गांव के ही कुछ लोगों ने गांव में स्थित करोड़ो की सरकारी जमीन पर बेजा

कब्जा कर लिया था, जिसे हटाने की मांग करने के बावजूद प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा था।

घंटों तक फंसी रही गाड़ियां

गौरतलब है कि, अभनपुर-नवापारा मुख्य मार्ग रायपुर से देवभोग मुख्य मार्ग पर स्थित है, जो छत्तीसगढ़ को उड़ीसा से जोड़ता है। इसके चलते इस मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में सवारी बसें, भारी वाहन और लोगों का चौबीसों घंटे आना-जाना लगा रहता है। ग्रामीणों के चक्काजाम के चलते मार्ग पर कई गाड़ियां करीब पौने 2 घंटे तक फंसी रही। चक्काजाम खत्म होने के बाद तेज गर्मी की वजह से हलाकान हो रहे लोगो ने राहत की सांस ली।

भाठागांव, गुढ़ियारी में चलाया फॉगिंग अभियान

रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र में नगरवासियों को मच्छरों से राहत दिलवाने मच्छरों पर कारगर नियंत्रण हेतु एंटी लार्वा ट्रीटमेंट एवं फॉगिंग का कार्य विभिन्न वार्डो एवं जोनों में स्वास्थ्य विभाग एवं जोनो के स्वास्थ्य अमले द्वारा निरन्तर जारी है। आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्तगणों, स्वास्थ्य अधिकारी, उपायुक्तगणों, जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा मच्छरों पर कारगर नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे फॉगिंग अभियान का सतत निरीक्षण विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन नम्बर 6 के तहत भाठागांव क्षेत्र में धनगर गली, पतंजलि गली के आसपास के क्षेत्रों, नगर निगम जोन नम्बर 2 के तहत गुढ़ियारी क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न बस्तियों मार्गो, स्थानों में मच्छरों के कारगर नियंत्रण की दृष्टि से फॉगिंग अभियान चलाया गया ।

लक्ष्मी जनरल एण्ड फैन्सी स्टोर्स
गारनियार कलर्स, शहनाज, ओरीफ्लेम, लोरीयल कलर्स, रेवलोन हिमालय, लेक्मे, पौन्डस, नीविया, हबीब शिरम, इम्पोडेट, कास्मेटिक बाड़ी वाश, शैम्पू एवं डियो परफ्यूम
Ajay Malghany 7389440364
Ramesh Maighany 9302457395
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

J.K. TRADERS
Mohit Ahuja:- 97550 01136 98939 77337
PLASTO प्लास्टो है तो गॉरन्टी है।
Nandini Road, Power House, Distt.-Durg, Bhilai (CG)

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

जीन्स
टी-शर्ट
शर्ट
ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House Bhilai 9826181183

नेहा सिंह की अदाओं के सामने फेल हुआ उर्फी जावेद का ग्लैमर

भोजपुरी इंडस्ट्री में तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस नेहा सिंह अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। नेहा सिंह का अंदाज हद से ज्यादा कातिलाना है। इस बात की गवाही नेहा सिंह का इंस्टाग्राम अकाउंट देता है। नेहा सिंह की फोटोज इंटरनेट पर आते ही छा जाती है। इस बीच नेहा सिंह की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो कि हर तरफ धड़ल्ले से वायरल हो रही है।

भोजपुरी की क्वीन नेहा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो नागिन की तरह बलखाती नजर आ रही हैं। नेहा सिंह का ये अंदाज देखते ही बन रहा है। सामने आई इन फोटोज में भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा सिंह बेहद बोल्ड लुक में नजर आ रही हैं। नेहा सिंह ने ऐसा बोल्डनेस का तड़का लगाया है कि हर कोई घायल हो गया है।

भोजपुरी की बोल्ड हसीना नेहा मलिक की हर अदा पर लोग फिदा हो गए है। सामने आई इस फोटो में नेहा सिंह खुले बालों में किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं।

सामने आई इन फोटोज में नेहा सिंह ने कैमरे के सामने बेहद किलर पोज दिए हैं। नेहा सिंह का एक पोज इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

इन फोटोज में बोल्डनेस क्वीन नेहा मलिक की अदाएं हद से ज्यादा कातिलाना है। भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा सिंह ने अपने लुक्स से सभी को घायल कर दिया है। भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा सिंह इन फोटोज में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट कर रही है। बता दें कि फिगर के मामले में नेहा सिंह, बॉलीवुड एक्ट्रेसेस को भी टक्कर देती हैं।

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर कर फैंस को विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। नेहा के हर पोस्ट पर लोग रिएक्ट करते हैं। भोजपुरी की पॉपुलर अदाकारा नेहा सिंह के इंस्टाग्राम पर नजर डालें तो उनको 4।7 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। बोल्डनेस क्वीन नेहा सिंह की फैन फॉलोइंग जबरदस्त है।

बॉलीवुड अदाकार सनी लियोनी से लेकर टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद तक, बोल्डनेस के मामले में नेहा सिंह सभी हसीनाओं को टक्कर देती हैं। नेहा सिंह अपने बोल्ड लुक्स से फैंस के दिलों पर कहर बरपा देती हैं।

मल्हार का धमाकेदार ट्रेलर हुआ जारी, नई रिलीज डेट का भी ऐलान

अनोखी दोस्ती, निस्वार्थ प्यार और अटूट रिश्तों की कहानी मल्हार का ट्रेलर आज रिलीज़ हो गया है। फिल्म हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज़ होगी। ट्रेलर में शारिब हाशमी, अंजलि पाटिल, ऋषि सक्सेना, श्रीनिवास पोकाले, विनायक पोटदार, मोहम्मद समद और अक्षता आचार्य मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

ट्रेलर बेहद दिलचस्प लग रहा है और दर्शकों को फिल्म देखने के लिए उत्साहित कर रहा है। फिल्म की कहानी दोस्ती, प्यार और बंधन के इर्द-गिर्द घूमती है। पहले फिल्म 31 मई को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने नई रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है। मल्हार अब 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन विशाल कुंभर ने किया है, जबकि निर्माण प्रफुल्ल पासड ने किया है। वी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है।

ट्रेलर में, हाशमी के किरदार को अपने गांव में आने वाले विजिटर्स का अभिवादन करते हुए दिखाया गया है। इसके बाद दो स्कूली साथियों के बीच बातचीत को दिखाया गया, जो अलग-अलग धर्मों का पालन करते हैं। इसके अलावा ट्रेलर में एक युवा हिंदू लड़के और मुस्लिम लड़की के बीच पनप रहे प्यार की कहानी भी देखने को मिलेगी। यह हाशमी के एक दमदार डायलॉग के साथ समाप्त होता है।

1 मिनट 25 सेकन्ड के इस ट्रेलर की शुरुआत शारिब हाशमी के डायलॉग से होती है वह कहते हैं वेलकम टू माई विलेज। दरअसल निर्माता प्रफुल पासड की फ़िल्म मल्हार गांव कच्छ में घटित हो रही तीन स्टोरीज का अनोखा मिश्रण है। यह फिल्म दो सबसे अच्छे दोस्तों की कहानी कहती है। सुनने के यंत्र की मरम्मत के लिए उनके संघर्ष के इर्द-गिर्द यह स्टोरी घूमती है। चाइल्ड आर्टिस्ट का यह संवाद दिल को टच कर जाता है कि मां कहती है भगवान बच्चों की सब बातें सुनते हैं।

फिल्म शिवम भजे से अश्विन बाबू का पहला लुक आया सामने

राजू गारी गाधी और हिडिम्बा जैसी फिल्मों में अपनी प्रमुख भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध अश्विन बाबू अपनी आगामी फिल्म शिवम भजे से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं।

फिल्म का बहुप्रतीक्षित पहला लुक आज जारी किया गया, जिसमें अश्विन एक आकर्षक एक्शन से भरपूर अवतार में नजर आए। पोस्टर में भक्तिपूर्ण रूपांकनों को दर्शाया गया है, जो आस्था में गहराई से निहित एक कहानी की ओर इशारा करता है। कैप्शन,

जब विश्वास खतरे में होगा, तो दुनिया उसका गुस्सा देखेगी, एक गहन और रोमांचकारी कहानी के लिए स्वर निर्धारित करता है। अश्विन बाबू के साथ दिगांगना सूर्यवंशी भी शामिल हो गई हैं, जो इस एक्शन ड्रामा में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अप्सर द्वारा निर्देशित और महेश्वर रेड्डी मूली द्वारा उनके गंगा एंटरटेनमेंट बैनर के तहत निर्मित, शिवम भजे एक दिलचस्प सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है।

दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म तेलुगु दर्शकों तक ही सीमित नहीं है, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में बहुभाषी रिलीज की योजना है। यह विस्तार फिल्म की कहानी और पात्रों की सार्वभौमिक अपील में फिल्म निर्माताओं के विश्वास को दर्शाता है, जिससे इसकी रिलीज के लिए प्रत्याशा बढ़ जाती है।

10:29 की आखिरी दस्तक के हर एपिसोड में दिखेगा मेरे किरदार का रहस्यमय अवतार : आयुषी भावे

अपकमिंग सुपरनैचुरल थ्रिलर 10:29 की आखिरी दस्तक में बिंदू का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस आयुषी भावे ने बताया कि दर्शकों को हर एपिसोड के साथ उनके किरदार में नई परतें देखने को मिलेंगी।

किरदार के बारे में बोलते हुए आयुषी ने उत्साह व्यक्त किया और कहा, शो बहुत दिलचस्प है। मेरा किरदार मेरे पहले निभाए गए किरदारों से बेहद अलग है। बिंदू के रूप में मेरा किरदार काफी दिलचस्प है, वह जिंदादिल और दूसरों से हटकर है। दर्शकों को हर एपिसोड के साथ मेरे रहस्यमय किरदार की नई परतें देखने को मिलेंगी।

उन्होंने कहा, यह बहुत दिलचस्प होने वाला है, क्योंकि बिंदू का किरदार शो की कहानी का मुख्य केंद्र है, जो रहस्य और जटिलता से भरा हुआ है। यह शो रोंगटे खड़े कर देने वाला है। यह जल्द ही स्टार भारत पर प्रसारित होगा।

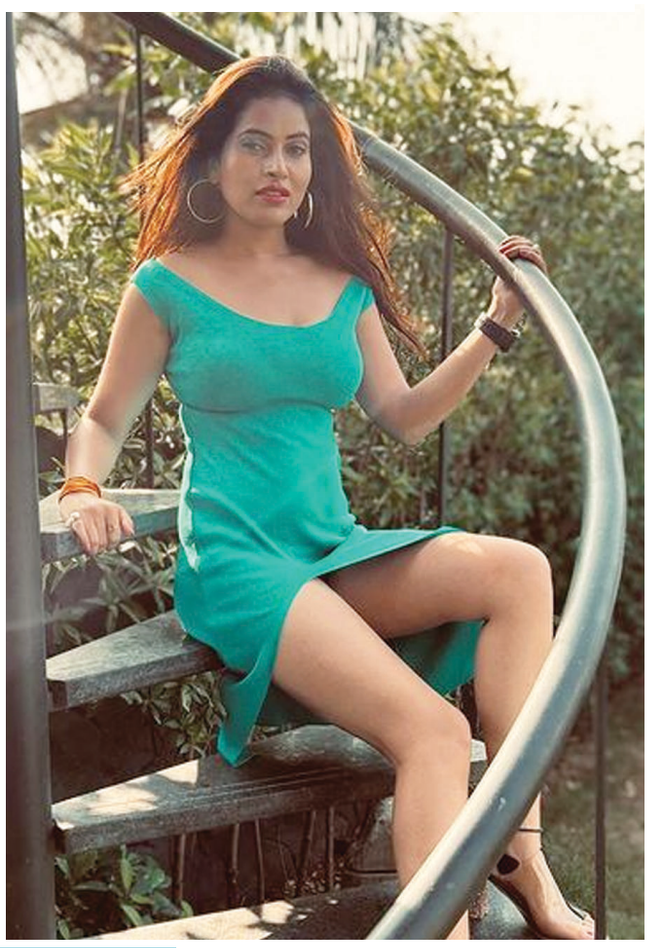

टूथपेस्ट का ऐसे करें इस्तेमाल, कुछ दिनों में गोरे दिखने लगेंगे

त्वचा में नमी न होने की वजह से त्वचा रूखी होकर काली पड़ने लग जाती है। कभी-कभी घुटने और कोहनी बहुत ज्यादा काले दिखने लगते हैं, जो शर्मिंदगी का कारण बन जाते हैं। काले घुटने की वजह से अक्सर लोग शॉर्ट कपड़े नहीं पहन पाते हैं, तो वही कोहनी के कालेपन की वजह से लोगों को हाफ और स्लीवलेस कपड़े पहनने में परेशानी होती है।

ऐसे में लोग कोहनी और घुटने को गोरा करने के लिए काफी प्रयास करते हैं, कुछ लोग तो इसके लिए मेडिकल ट्रीटमेंट की भी मदद लेते हैं। लेकिन फिर भी उन्हें कोई असर नहीं होता है। अगर आप भी कोहनी के कालेपन से परेशान है, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको टूथपेस्ट के इस्तेमाल के बारे में बताएंगे।

टूथपेस्ट के फायदे

टूथपेस्ट वैसे तो धातु की सफाई के लिए इस्तेमाल होता है लेकिन आप इसका उपयोग कोहनी और घुटने के कालेपन को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक टूथपेस्ट डेड स्किन को हटाने में मदद करता है और त्वचा के पीएच लेवल को संतुलित रखता है। जिससे त्वचा का कालापन दूर होता है। यही नहीं टूथपेस्ट एक ब्लीचिंग एजेंट है, जो त्वचा को हल्का करने में भी मददगार माना गया है।

टूथपेस्ट का इस्तेमाल

टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने के लिए आपको सबसे पहले एक साफ बर्तन में एक चम्मच टूथपेस्ट के साथ नारियल तेल, नमक और नींबू का रस मिलना होगा। इन तीनों का पेस्ट बनाकर आप इसे कोहनी और घुटने पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसे 5 से 10 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। आप इसका हफ्ते में 2 से 3 बार इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको कुछ ही दिनों में फर्क देखने को मिलेगा।

इन चीजों का करें इस्तेमाल

टूथपेस्ट के अलावा आप और भी कई चीजों का इस्तेमाल कर अपनी कहानी और घुटने को गोरा बना सकते हैं जैसे नियमित रूप से मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें डेट स्कीम हटाने के लिए हफ्ते में एक से दो बार कहानी और घुटने पर स्क्रब करें इसके अलावा नींबू के रस और दही का कोहनी और घुटने पर इस्तेमाल करें।

इन बातों का रखें ध्यान

हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा को हल्का करने में मदद करते हैं और गोरा बनाते हैं। इसलिए आप कोहनी और घुटने पर हल्दी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह घरेलू उपचार आपके घुटने और कोहनी के कालेपन को साफ कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो डॉक्टर से बात जरूर करें और उनकी सलाह ले।

150 तरीके के होते हैं सिर दर्द, सबसे खतरनाक होता है माइग्रेन

आजकल स्ट्रेस, अनहेल्दी लाइफस्टाइल और खानपान के कारण हमारे शरीर के अंगों पर कई गंभीर असर पड़ते हैं। जिनमें से एक माइग्रेन भी है, जिसमें भयंकर सिर दर्द होता है। लेकिन अधिकतर लोग आम सिर दर्द को माइग्रेन समझ लेते हैं या माइग्रेन के दर्द को आम सिर दर्द समझ कर इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपको माइग्रेन के इन पांच मूल कारणों के बारे में पता होना चाहिए, जिससे माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है और आपकी स्थिति को और ज्यादा खराब कर सकता है।

जेनेटिक हो सकता है माइग्रेन

जी हां, डॉक्टरों का मानना है कि माइग्रेन अक्सर फैमिली हिस्ट्री से जुड़ा हुआ होता है। यदि आपके किसी फैमिली मेंबर को पहले से माइग्रेन की समस्या है, तो यह संभावना है कि आपको भी माइग्रेन की समस्या हो सकती है।

हार्मोनल चेंज

माइग्रेन के अन्य कारणों में से एक हार्मोनल चेंजेस भी है। खासकर महिलाओं के हार्मोन में पीरियड्स या प्रेगनेंसी की दौरान उतार-चढ़ाव होते हैं, उससे माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है। दरअसल, शरीर में एस्ट्रोजन के लेवल में बदलाव होने के कारण माइग्रेन की स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पर्यावरणीय कारक

कई बार पर्यावरणीय कारक भी माइग्रेन को ट्रिगर कर सकते हैं। जैसे तेज धूप, टिमटिमाती रोशनी, तेज गंध, तेज आवाज, मौसम में बार-बार बदलाव होना भी माइग्रेन के दर्द को बढ़ा सकता है।

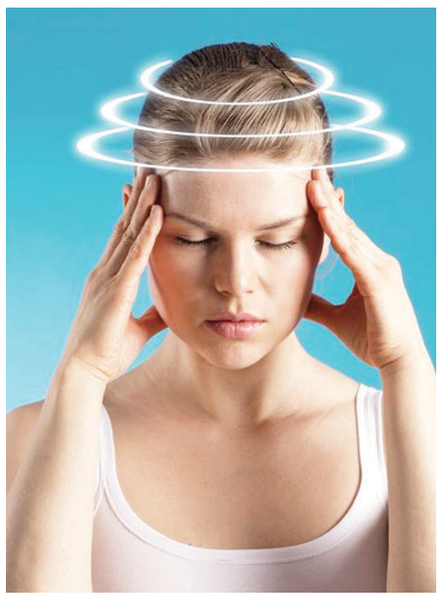

खाने पीने की हैबिट

जी हां, कुछ खाद्य पदार्थ और ड्रिंक माइग्रेन को ट्रिगर करने के लिए जाने जाते हैं। खासकर अल्कोहल, कैफीन, प्रोसेस्ड मीट और मोनोसोडियम युक्त खाद्य पदार्थ और ड्रिंक का सेवन करना माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है। इसके अलावा खाने में बहुत ज्यादा गैप करना या उपवास करना भी माइग्रेन के दर्द को बढ़ा सकता है।

स्ट्रेस और तनाव

स्ट्रेस और तनाव माइग्रेन को बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण हो सकता है। जब आप तनाव, चिंता या डिप्रेशन का शिकार होते हैं, तो आपके दिमाग पर इसका असर पड़ता है और यह माइग्रेन को ट्रिगर करके इसके दर्द को बढ़ा सकता है। इसके लिए आपको माइंडफुलनेस ध्यान, योग, फिजिकल एक्टिविटी और पर्याप्त नींद लेना चाहिए।

खास खबर

रोली खन्ना ने बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत वितरित किया 123 जेम गर्ल्स को नाइट सूट

कोरबा। एनटीपीसी कोरबा में श्रीमती रोली खन्ना दिन मैत्री महिला समिति अध्यक्ष द्वारा एनटीपीसी कोरबा में शामिल होने के पहले दिन ही एनटीपीसी कोरबा के बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत जेम गर्ल्स से बातचीत कर 123 जेम गर्ल्स को नाइट सूट वितरित किया। 25 मई 2024 को श्रीमती रोली खन्ना ने ईडीसी, कोरबा का दौरा किया। श्रीमति कस्तूरी मैत्रा, श्रीमती मीता भट्टाचार्य, श्रीमती कीर्ति साठे और मैत्री महिला समिति (एमएमएस) की अन्य सदस्य काफ्ले ने जेम गर्ल्स के साथ बातचीत कर उन्हें अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में निर्णय ले सशक्त बनाने हेतु शिक्षित किया। सभी जेम गर्ल्स की लड़कियों को उनके आरामदायक नाइटवियर के रूप में नाइट सूट उपहार में दिए गए। मैत्री महिला समिति ने लड़कियों को अपने बारे में विशेष महसूस कराया। जेम गर्ल्स के साथ उनकी समावेशी भागीदारी उन्हें दिन-ब-दिन बेहतर से और बेहतर बन दुनिया में एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। साथ ही वे सफ्लता और खुशी के लिए प्रयास करने के लिए आगे बढ़ती है। इसी सत्र में 27 मई को, एनटीपीसी कोरबा ने बैच 2024 की जेम गर्ल्स के लिए रविवार अभ्यास के रूप में एक अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गयी। शिक्षकों और अभिभावकों के बीच यह बातचीत जीईएम गर्ल की प्रगति के बारे में बात करने में मदद करती है। जेम गर्ल्स के माता-पिता इस बैठक को बहुत उपयोगी और सकारात्मक पाते हैं, क्योंकि यह अवसर उन्हें प्रश्न पूछने और विचार साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, ताकि माता-पिता और शिक्षक लड़कियों के सीखने और प्रगति यात्रा में भागीदार बन सकें। इस सत्र ने न केवल लड़कियों को प्रेरित किया गया बल्कि उनकी शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया गया। जेम गर्ल्स को एक फिल्म दिखाने हेतु अम्बेडकर भवन भी ले जाया गया। जहां उन्होंने श्फ्राईडिंग निमोश् नामक फिल्म देखी और इसका भरपूर आनंद लिया।

इंडस स्कूल में आयोजित समर कैंप का हुआ समापन

कोरबा। स्कूल की छुट्टियों के बाद जहाँ एक ओर बच्चे अपने-आप को पढ़ाई के तनाव से हल्का महसूस करते हैं वहीं दूसरी ओर यदि गरमी की छुट्टियों में कुछ सीखने का अवसर मिले तो बात ही कुछ अलग व रोचक हो जाती है।जिससे जहाँ एक ओर बच्चों के समय का सदुपयोग भी हो जाता है और बच्चों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को भी परवाज मिलता है।बच्चे का दिमाग सकारात्मक कार्यों में व्यस्त रहता है और वे सीखी हुई कला को लंबी अवधि तक याद रखकर उसे अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर सकते। दीपका स्थित इंडस पब्लिक स्कूल में आयोजित' समर कैंप का हुआ समापन । विगत दिनों से निरंतर जारी ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) का समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। समर कैंप में विगत दिनों से लगातार विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें प्रमुख रुप से योगा, कराटे, मार्शल आर्ट, टेक्सटाइल पेंटिंग, म्यूजिक, डांस, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, ड्राइंग एण्ड पेंटिंग, पॉटरी, स्पोर्टस(क्रिकेट एवं वाली बॉल) इत्यादि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभिन्न स्कूलों जैसे-डीपीएस, सेंट थामस, सर्वमंगला विद्यालय, डीएवी, सेंट पीटर इत्यादि स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। यहाँ यह बताना लाजिमी होगा कि आईपीएस-दीपका में विगत 8 वर्षों से बहुत ही सफ्ल रुप से समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। समापन समारोह में मुख्य रुप से डॉ संजय गुप्ता (प्राचार्य इंडस पब्लिक स्कूल दीपका), सब्यसाची सरकार (शैक्षणिक प्रभारी) एवं श्रीमती सोमा सरकार (शैक्षणिक प्रभारी प्राइमरी एवं प्री प्राइमरी) उपस्थित एवं प्रतिभागियों सहित अभिभावक उपस्थित थे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने अपने करकमलों से दीप प्रज्जवलन कर माँ सरस्वती के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण किया, तत्पश्चात कार्यक्रम का आगाज हुआ। मंच संचालन का कार्यभार वरिष्ठ शिक्षक सुखेंदु राय ने संभाला हुआ था। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया गया। विगत 15 दिनों से स्कूल परिसर में संचालित समर कैंप में दी गई विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी सुखेंदु रॉय ने उपस्थित अभिभावकों एवं बच्चों के दिया।कार्यक्रम की कड़ी में समर कैंप का बहुत ही आकर्षक गोवा डांस की प्रस्तुति दी गई, जिसे सभी ने खूब सराहा। सभी दर्शकों ने प्रतिभागियों के सम्मान में तालियाँ बजाई। समर कैंप में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बच्चों के द्वारा मंच पर कराटे एवं मार्शल आर्ट की विविध कलाओं का प्रदर्शन किया गया। सभी प्रतिभागियों को पार्टिसिपेशन सर्टिफ्किट प्राचार्य एवं शैक्षणिक प्रभारी के हाथों प्रदान किया गया। समर कैंप में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सक्रिय रहने वाले शिक्षकों को भी प्राचार्य एवं शैक्षणिक प्रभारी के हाथों प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिक सुखेंदु सिंह राय ने किया।विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संजय गुप्ता ने कहा कि समर कैंप से न सिर्फ कुछ दिनों के लिए बच्चे मानसिक रुप से सक्रिय हो जाते हैं अपितु उनके समय का भी सदुपयोग होता है।

जब तक नरेन्द्र मोदी और भाजपा हैं, पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता : अमित शाह

कुशीनगर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को कुशीनगर पहुंचे यहां उन्होंने उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पडरौना में भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार दूबे के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने सपा-कांग्रेस गठबंधन को अपने निशाने पर रखा।जब तक नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा हैं, पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता।

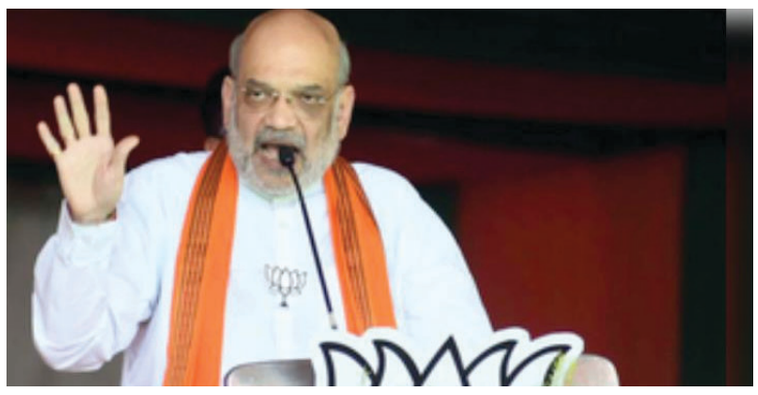

तथागत भगवान बुद्ध,सिधुआ बाबा, खिरकिया माई, बुढ़िया माई को नमन करते हुए गृहमंत्री ने दावा किया देश की जनता ने तय कर लिया है कि अगले 5 साल नरेन्द्र मोदी जी ही प्रधानमंत्री रहेंगे। 6 चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। मेरे पास 5 चरण का आंकड़ा है। 5 चरण में मोदी जी 310 सीटें पार कर चुके हैं। छठा चरण हो चुका है, सातवां होने वाला है, जिसमें आप लोगों को 400 पार कराना है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए गृहमंत्री ने कहा कि 4 जून को राहुल बाबा की पार्टी 40 भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश बाबू 4 भी पार नहीं कर पाएंगे। 4 जून को मोदी जी, भाजपा और एनडीए की विजय निश्चित है। 4 जून की दोपहर को आप देख लेना, राहुल बाबा के लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि इवीएम के कारण हम हारे हैं। और हार का ठीकरा भी खड़गे साहब पर फूटेगा। घमंडिया गठबंधन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये झूठ के आधार पर जीने वाले लोग हैं। इन्होंने कहा है कि हम मुस्लिम आरक्षण देंगे। अपने वोटबैंक को खुश करने के लिए ये मुस्लिम आरक्षण की बात करते हैं। जिसका सीधा खामियाजा पिछड़े वर्ग को भुगतना पड़ेगा । अगर गलती से भी ये जीत गए, तो पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित का आरक्षण छीनकर ये मुसलमानों को देने का काम करेंगे।इन्होंने (इंडी गठबंधन) कर्नाटक और हैदराबाद में जो किया है, बंगाल में भी वही किया था, लेकिन वहां (बंगाल) हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। मुस्लिम आरक्षण संविधान के अनुरूप नहीं है। मगर आप चिंता मत कीजिए, न ये जीतने वाले हैं और न हम ऐसा होने देंगे। जब तक नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा हैं, पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता। हम इस देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं आने देंगे। सपा और कांग्रेस 70 साल से राम जन्मभूमि के मामले को अटका कर बैठे थे।जबकि मोदी जी ने 5 साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी। मोदी जी ने सिर्फ राम मंदिर ही नहीं, बल्कि औरंगजेब द्वारा तोड़ा गया काशी विश्वनाथ का मंदिर भी बनाया और सोमनाथ का मंदिर भी सोने का बन रहा है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कहती है कि पाकिस्तान के पास एटम बम है, पीओके मत मांगिए।अरे राहुल बाबा आपकी पार्टी एटम बम से डरती होगी, हम भाजपा वाले नहीं डरते। आज मैं यहां से कहकर जाता हूं कि पीओके भारत का था, है और हम इसे लेकर रहेंगे। श्री शाह ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन परिवारवादियों का गठबंधन है।उसके दलों के अध्यक्षों का लक्ष्य अपने बेटे-बेटी और भतीजों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना है।

इस चुनाव में एक ओर 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाले दो शहजादे राहुल बाबा और अखिलेश यादव हैं। वहीं दूसरी ओर 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद जिनपर 25 पैसे का भी आरोप नहीं है, ऐसे हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी हैं। ये चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों के बीच है।

समाजवादी पार्टी की ही सरकार थी जिसने कारसेवकों पर गोलियां चलाईं थी। आप रामभक्तों पर गोली चलाने वाली समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को वोट दे सकते हो क्या? आप सब जानते हैं कि 85 हजार करोड़ का सहारा का घपला किसके समय में हुआ था। अखिलेश बाबू, आपकी पार्टी सहारा के फंड से चलती थी, सहारा की लूट आपने चलने दी।नरेन्द्र मोदी ने तो रिफंड देने की शुरुआत की है*।

राज्य सरकार का बड़ा फैसलाः छत्तीसगढ़ में 50 हजार से कम के सामान में ई-बिल नहीं लगेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टैक्स चोरी रोकने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। छत्तीसगढ़ में 50 हजार रुपए से कम के सामान में ई-बिल नहीं लगेगा, लेकिन 50 हजार से ज्यादा का सामान भेजा तो उसके साथ ई-बिल रखना होगा। ऐसा नहीं किया तो जितने का सामान है, लगभग उतना ही टैक्स लगेगा। साथ ही एक जिले से दूसरे जिले में किसी भी तरह का माल भेजने में 50 हजार से कम सामान के लिए ई-बिल जनरेट नहीं करना पड़ेगा।

छोटे व्यापारियों को मिलेगी राहत

बता दें कि केवल राज्य के बाहर सामान भेजने पर ही ई वे-बिल लगता था। 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद 2018 में ई-बिल को भी अनिवार्य किया गया था।

लेकिन उस समय व्यापारियों के विवाद के बाद इस नियम को शिथिल कर दिया गया था। भाजपा सरकार के करीब एक साल और कांग्रेस सरकार के पांच साल में भी इस छूट को जारी रखा गया था। सरकार ने 24 मई 2024 को नई अधिसूचना जारी कर कहा है कि 50 हजार से ज्यादा के स्टॉक परिवहन पर हर हाल में ई-बिल रखना होगा, लेकिन इससे कम सामान पर छूट रहेगी। सरकार का दावा है कि इससे टैक्स चोरी पूरी तरह से खत्म होगी। इससे कम का सामान भेजा तो बिल नहीं देना होगा।

वाणिज्यकर कमिश्नर रजत बंसल ने दैनिक भास्कर को बताया कि 2018 में ई-वे बिल में इसलिए छूट दी गई थी कि क्योंकि उस समय बिल नया था। कारोबारी और ट्रांसपोर्टर इस नियम को समझ नहीं पा रहे थे। लेकिन अब छह साल का समय हो गया है।

व्यापारी से जुड़े सभी लोग इस नियम को बेहद अच्छे तरीके से जान चुके हैं। देशभर के इक्का-दुक्का राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में यह नियम लागू किया गया है। इसलिए छत्तीसगढ़ में भी इस छूट को खत्म कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव 2024

5315 शिकायतों में से 5021 शिकायतों का हुआ निपटारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग के सीविजिल एप पर 1817 शिकायतें मिली थीं। इनमें से 1351 सही पाई गईं। 466 शिकायतें निराधार होने की वजह से ड्राप कर दी गईं। इसी तरह सुविधा एप पर 3374 वोटरों ने अनुमति के लिए आवेदन लगाए। इनमें से 1308 मंजूर किए गए। इनके अलावा 182 आवेदनों को निरस्त कर दिया गया। बाकी 84 आवेदनों को रद्द कर दिया गया। इसके अतिरिक्त इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट साफ्टवेयर का उपयोग कर रोजाना जब्ती संबंधी जानकारी भी विभिन्न जांच एजेंसियों ने उपलब्ध करवाई। वोटर टर्न आउट एप पर तीनों चरणों के मतदान के दिन हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत की जानकारी से जनता को अपडेट करने की सुविधा दी गई।

उम्मीदवारों को ऑनलाइन नामांकन भरने की भी सुविधा दी गई थी। हालांकि एक बार रिटर्निंग अफ्सर को समक्ष उपस्थित होने की बाध्यता ने इसमें कम ही उम्मीदवारों ने रूचि ली। उम्मीदवारों के शपथ पत्र में दिए संपत्तियों के ब्योरे, परिवार की जानकारी, अपराधों की जानकारी भी अपलोड की गई। नेशनल ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम पर आम नागरिकों ने शिकायतें दर्ज करवाईं। इसमें 5315 शिकायतें प्राप्त हुईं।

इनमें से 5021 का निराकरण कर दिया गया है। बाकी 294 शिकायतें प्रक्रियाधीन हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान 5 जनवरी से 8 फरवरी तक 9 लाख 40 हजार 82 आवेदन मिले थे। इनमें से वोटर सर्विस पोर्टल पर 79 हजार 307 आवेदन आए थे। बीएलओ एप पर 7 लाख 38 हजार 561 अर्जियां मिलीं।

वैशाख पूर्णिमा बुद्ध जयंती बड़े हर्षोल्लास से मनाई गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 26 मई को वैशाख पूर्णिमा बुद्ध जयंती के पावन पर्व के अवसर पर बुद्ध विहार कोटा में भारतीय बौद्ध महासभा एवं त्रिरत्न बुद्ध विहार समिति कोटा के संयुक्त तत्वावधान में गरिमामय त्रिगुणी वैशाख पूर्णिमा बुद्ध जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम बुध्द शरणम गच्छामि, धम्मम शरणम गच्छामि, संघम् शरणम् गच्छामि उद्घोष कर बौद्ध संघ कोटा एवं विभिन्न वार्डों के गणमान्य नागरिकों भव्य रथ पर बुद्ध की प्रतिमा सहित बुद्ध के संदेश देते हुए कैंडल रैली निकाली जो कोटा बुध्द विहार से होकर डॉ बाबा साहेब आंबेडकर चौक सरस्वती नगर से वार्ड का भ्रमण कर बुद्ध विहार पहुँचीं।

इसके पश्चात भारतीय बौध्द महासभा के जिला अध्यक्ष प्रकाश रामटेके जी एवं कोटा बुद्ध विहार समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार वंजारी ने बाबा साहेब अम्बेडकर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, नागपुर महाराष्ट्र से पूज्य भंते महान मा ने बुध्द वंदना कर तथागत गौतम बुद्ध को वंदन किया गया सभी उपस्थिति उपासकों ने त्रिशरण पंचशील लिया।

कार्यक्रम के अतिथि एस, आर, साहु जी ने विपश्यना एवं आना पानी सति के महत्व को बताया मानव अपने मन एवं तन को स्वस्थ रखने के लिए आचार, आहार, ध्यान के महत्व को बताया । भंते महान मा ने अपने धम्मदेशना में बौद्ध धम्म के उद्भव, प्राचीन शासकों ने बौद्ध धम्म क्यों चुना एवं बाबा साहेब अम्बेडकर जी बौद्ध धम्म ही क्यों स्वीकार किया विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में भारतीय बौद्ध महासभा के द्वारा अपने श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को मोमेंटो और भगवान बुद्ध के अनमोल उपदेशों का सार धम्मपद पुस्तक, एवं परित्राण पाठ की पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया।

डा,एम,एल,परिहार संपादक बुद्धम पब्लिशर्स जयपुर राजस्थान के द्वारा अपने पिता आशुराम मेघवाल और माता श्रीमती नेनु देवी की स्मृति में पुरे भारत में 84000 हजार पुस्तक का वितरण किया जाना है, जो बुध्द जयंती के उपलक्ष्य में रायपुर के सभी बौद्ध विहारों में नि:शुल्क धम्मपद पुस्तक का वितरण किया गया है, और आयु, मदनलाल मेश्राम के द्वारा निशुल्क परित्रा पाठ की पुस्तक का वितरण किया गया है। कार्यक्रम का संचालन भारतीय बौध्द महासभा के महासचिव विजय गजघाटे जी ने किया आभार प्रकट आयु अरुण वंजारी ने किया इस अवसर पर संस्कार प्रमुख सी,डी, खोबरागड़े, प्रदेश महासचिव भोजराज गौरखेड़े, जिला अध्यक्ष प्रकाश रामटेके, महासचिव विजय गजघाटे, त्रिरत्न बुद्ध विहार समिति कोटा के अध्यक्ष अरुण कुमार वंजारी, कमलेश रामटेके, ज्ञानेश्वर बावनगड़े, नरेन्द्र बोरकर, बेनीराम गायकवाड़, सुनिल वान्द्रे संतकुमार रामटेके, उर्मिला भिमटे, शिला मेश्राम, संगम शेन्डे, सरोज घोड़ीचोर, सिंधु रगासे एवं समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

देशी-विदेशी मदिरा दुकानों में संलग्न अहाता का किया गया ऑनलाइन चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के 29 देशी-विदेशी मदिरा दुकानों में संलग्न अहाता हेतु निविदा आयोजित की गई थी, जिसे 18 दुकानों के अहाता हेतु चयनित निविदाकारों द्वारा निर्धारित समयावधि में अग्रिम लाइसेंस प्रतिभूति जमा नहीं करने के फलस्वरूप द्वितीय निविदा आमंत्रित की गई। जिसमें कुल 63 निविदा प्राप्त हुए।

एक निविदा स्कूटनी में अपात्र पाने के पश्चात् 62 निविदा में से चयन की कार्यवाही सहायक आयुक्त आबकारी सौरभ बख्शी सहित अन्य अधिकारियों एवं निविदाकारों की उपस्थिति में ऑनलाइन पद्धति से की गई। जिसमें देशी मदिरा अहाता हरदीबाजार हेतु सुखराम यादव, विदेशी मदिरा अहाता गोपालपुर हेतु मनोज यादव, देशी मदिरा अहाता गोपालपुर हेतु प्रथम अमितराय, द्वितीय विपुल तिवारी, बांकीमोंगरा-देशी हेतु प्रथम अनुप अग्रवाल, द्वितीय रमेश कुमार, भैरोताल-देशी हेतु प्रथम प्रमिला गुप्ता, द्वितीय कन्हैया साहू, सर्वमंगला-विदेषी हेतु प्रथम ईष्वर कुमार साहू, द्वितीय राजेश जायसवाल, बांकीमोंगरा-विदेशी हेतु प्रथम अनुप अग्रवाल, द्वितीय रमेश कुमार, पाली-विदेशी हेतु प्रथम ताम्रध्वज कश्यप, द्वितीय संजय जयसवाल, लाटा-विदेशी हेतु प्रथम धीरेन्द्र कुमार, द्वितीय बसन्त कुमार साहू, तृतीय अंजू गिलहरे, कटघोरा-देशी हेतु प्रथम महेश कुमार, द्वितीय सत्येन्द्र त्रिपाठी, तृतीय रिशु द्विवेदी, पाली-देषी हेतु प्रथम करन कुमार पटेल, द्वितीय अरविंद कुमार कश्यप, तृतीय संजय जायसवाल, कटघोरा-विदेशी हेतु प्रथम रविन्द्र चौहान, द्वितीय लक्ष्मी प्रसाद सोनी, तृतीय जोधन राम यादव, लालघाट-देशी हेतु प्रथम धनश्याम कुमार कश्यप, द्वितीय जयनारायण यादव, तृतीय प्रार्थना झा, लाटा-देशी हेतु प्रथम संजय झा, द्वितीय ठाकुर धन सिंग, तृतीय संजीव कुमार जायसवाल, दीपका-विदेशी हेतु प्रथम अमित गुप्ता, द्वितीय सुनिल धुरी, तृतीय वीरेंद्र सिंह ठाकुर, आईटीआई रामपुर -देशी हेतु प्रथम विनोद कुमार जायसवाल, तृतीय अंबिका कुमार प्रजापति, मुड़ापार-देशी हेतु प्रथम पुष्पा सिंह, द्वितीय कमल कुमार, तृतीय संतोष कुमार शर्मा एवं सर्वमंगला-देशी हेतु प्रथम देवानंद धुरी, द्वितीय शैलेन्द्र कुमार साहू, तृतीय मनीशंकर सिंह निविदाकार चयनित हैं।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला-दुर्ग, तहसील-दुर्ग प.ह.नं.-00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-RD202324430103900139

-:: ईश्तहार ::-

तहसील दुर्ग के प.ह.नं.-00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी धनवती बाई पिता/पति-रेवादास पता-दुर्ग, कु. नीतारानी पिता/पति-रेवादास पता-दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 770/31(0.0060), 824/20(0.0340) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता कु. नीतारानी पिता/पति-रेवादास पता-दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 29/05/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/05/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
दुर्ग

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

गाड़ियों की चोरी कर बदल देता था नंबर प्लेट, शातिर चोर गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। अलग-अलग स्थानों से आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी करने वाले आरोपित नवीन उर्फ सुनील सुनानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने रायपुर और दुर्ग के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से छह दोपहिया वाहन चोरी की है। गाड़ियों की पहचान छिपाने और पुलिस से बचने के लिए वाहनों में फर्जी नंबर प्लेट लगा देता था। आरोपित पहले भी वाहन चोरी के मामले में जेल जा चुका है।

थाना देवेंद्र नगर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति दोपहिया वाहन बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर थाना प्रभारी देवेंद्र नगर के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने उक्त स्थान पर जाकर मुखबिर के बताए हुलिए के आधार पर एक व्यक्ति और वाहन को पकड़ा। पुलिस ने उससे वाहन के कागजात मांगे तो गोल-मोल जवाब देकर गुमराह करने लगा। पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने वाहन को चोरी करना स्वीकार किया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने रायपुर और दुर्ग जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से कुल छह दोपहिया वाहन चोरी किए हैं। वाहनों में फर्जी नंबर प्लेट लगाना भी बताया गया। उसकी निशानदेही पर गाड़ियां भी जब्त की गई।

बलरामपुर में बजरंग दल के नेता व युवती की बेरहमी से हत्या, व्यापारियों ने कराया नगर बंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

हत्यारों ने लड़की के शव को जलाने का भी प्रयास किया

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बजरंग दल के जिला सह संयोजक सुजीत सोनी (25) और एक युवती की बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों का शव सोमवार को बलरामपुर-अंबिकापुर हाईवे के किनारे पड़े मिले। हत्यारों ने लड़की के शव को जलाने का भी प्रयास किया। मृतका की शिनाख्त किरण काशी (22) के रूप में हुई है जो कि शादीशुदा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पीएम लिए भेजा। वहीं इस घटना के विरोध में स्थानीय व्यापारियों ने पहले चक्काजाम किया और उसके बाद नगर बंद कराया जिसका व्यापक असर देखने को मिला।

यह पूरा मामला मामला बलरामपुर थाना क्षेत्र के डुमरखी गांव का है। बजरंग दल के जिला सह संयोजक सुजीत सोनी के पिता जिले के बड़े व्यापारी हैं। वहीं सुजीत बजरंग दल से जुड़े होने के साथ ही गो सेवा व गो तस्करों के खिलाफ काफी एक्टिव रहते थे। सोमवार की सुबह सुजीत व लड़की के शव के वहां स्थित ढाबे से करीब 100 मीटर दूर जंगल में सड़क किनारे मिले। व्यवसायी के बेटे की हत्या के विरोध में पूरे व्यापारी एकजुट हो गए। व्यापारियों ने सुबह 11 बजे से ह्न-343 पर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान दोनों ओ वाहनों की कतारें लग गई। पुलिस की समझाइश के बाद लगभग 4 घंटे बाद जाम खत्म हुआ। इस दौरान नगर बंद भी कराया गया। व्यापारियों ने अपनी दुकानों को बंद कर दिया। इस दौरान मौके पर पहुंचे SDM और पुलिस अफसरों ने 72 घंटे में आरोपियों की गिरफ्तारी आश्वासन दिया।

विरोध में लोगों का चक्काजाम

शव मिलने की सूचना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने फोरेंसिक को भी बुला लिया। शुरुआती जांच में सामने आया कि सुजीत को लाठी से बड़ी बेरहमी से पीटा गया और उसके बाद उसका गला दबाकर उसकी हत्या की गई। वहीं किरण काशी का गला काटने का प्रयास किया गया था। पुलिस ने बताया कि मृतका किरण काशी की तीन साल पहले मानिकपुर शादी में हुई थी। वह कुछ दिनों बाद ही बलरामपुर अपनी मां और छोटी बहन के साथ रह रही थी। फिलहाल इस अंधेकत्ल को लेकर पुलिस ज्यादा कुछ नहीं कह पा रही है। सुजीत के घर वालों से पूछताछ में पता चला कि रविवार शाम को सुजीत घर से निकला था उसके बाद वह वापस नहीं लौटा। उसकी गाड़ी व मोबाइल भी पुलिस ने शव के पास से बरामद किया है। पुलिस ने कहा है कि जल्द ही वे आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे।

नशे की हालत में भतीजी पर जानलेवा हमला

दो दिन बाद पकड़ाया आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कोतवाली थाना क्षेत्र में नशेड़ी फुफा ने अपनी भतीजी पर जानलेवा हमलाकर छत से फेंकने का मामला सामने आया है। घटना 24 मई की है। छत से गिरने से भतीजी को गंभीर चोटें आई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इस मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने आरोपी फुफा को गिरफ्तार कर धारा 294, 307, 323, 506 के तहत कार्रवाई कर जेल भेजा गया।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 24 मई की रात 8:30 बजे प्रार्थिया ऐशा मानिकपुरी पिता तपनदास निवासी शिवपारा ने दुर्ग कोतवाली थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने अपनी शिकायत में बताया कि 24 मई को शाम 6 बजे उसका फुफा वी. संतोष आचारी नशे के हालत में घर पहुंचा। आते ही उसने अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। इस दौरान हाथ में रखे बांस के डंडे व धारदार वस्तु लेकर घर वालों को दौड़ाने लगा।

इस दौरान डर के कारण छत पर पहुंच गये। पीछे से वी. संतोष आचारी भी पहुंच गया और हत्या की नियत से अपनी भतीजी टिकेश्वरी मानिकपुरी को धक्का दे दिया। इससे टिकेश्वरी मानिकपुरी के सिर, कमर व पैर में चोट आई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने आरोपी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। थाना प्रभारी महेश ध्रुव के नेतृत्व में आरोपी की पतासाजी कि गई। रविवार को आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक डंडा व एक धारदार चाकू जब्त किया। आरोपी वी. संतोष आचारी को न्यायालय पेशकर वहां से जेल भेज दिया गया। उक्त कार्रवाई में एसआई मकरध्वज प्रधान, आरक्षक राधेश्याम चन्द्राकर, रविन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

अंधविश्वास के चलते बुआ-फूफा ने कर दी भतीजे की हत्या

बालों की आहूति देना चाहते थे दोनों कातिल, भेजे गए जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

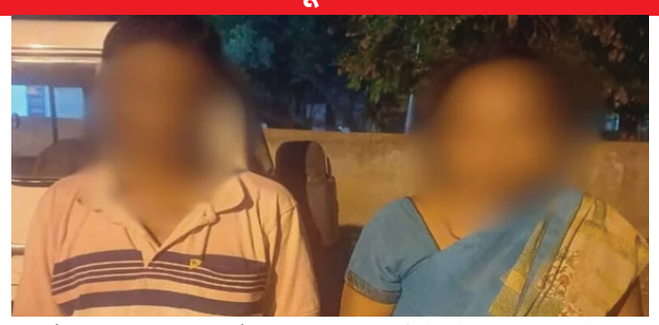

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में अंधविश्वास के चलते बुआ व फुफा ने मिलकर भतीजे की हत्या कर दी। करीब 38 दिन पुराने इस मामले में पुलिस ने अब जाकर आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। दरअसल आरोपी पति पत्नी अपने भतीजे के बालों की आहूति देना चाहते थे। सोते हुए भतीजे के बाल काटने ही वाले थे कि वह उठ गया। यह देख दोनों ने मिलकर उसकी हत्या की और शव को कुएं के पास फेंक दिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला जिले के पटना थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल की सुबह 8 बजे थाना पटना की पुलिस को सूचना मिली कि खोड, पंडोपारा निवासी सानू पनिका (21) का शव उसकी बुआ के घर के बाहर कुएं के पास मरा पड़ा हुआ है। सूचना के बाद थाना पटना एवं साइबर सेल की टीम मौके पर पहुंची। शव पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या होना पाया गया जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक कोरिया के निर्देशन पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने धारा 302, 201 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की।

परिवार के लोगों से हुई पूछताछ

पतासाजी के दौरान कोरिया पुलिस, मृतक के परिवार के सभी सदस्यों से बारी-बारी से पूछताछ कर रही थी एवं सायबर सेल की टीम निरंतर टेक्नोलॉजीकल इनपुट के विश्लेषण के माध्यम से जांच में जुटी हुई थी। इसके बाद भी पुलिस को कोई इनपुट नहीं मिल रहा था। करीब एक माह तक पुलिस लगी रही इस बीच पुलिस को मृतक की बुआ व फुफा पर शक हुआ। परिवार के लोगों से पूछताछ के दौरान पुलिस ने पाया कि मृतक की बुआ अमरावती देवी एवं फूफा बजरंग पनिका लगातार पुलिस को उलझाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को इन दोनों पर शक ज्यादा हुआ तो हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ शुरू की तो पूरी सच्चाई उगल दी।

अंधविश्वास व पूजापाठ ने बना दिया कातिल

पूछताछ में पता चला कि मृतक सानू पनिका उर्फ धनेश्वर चैत्र नवरात्रि के दौरान अपने रिश्ते की बुआ अमरावती के घर पर रात्रि विश्राम करता था। अमरावती एवं बजरंग नवरात्रि जवारा पूजा पाठ का 12 वर्ष पूर्ण कर चुके थे। अमरावती को लगता कि अब भी उसका पूजा पाठ पूरा नहीं हुआ है। अंधविश्वास के चक्कर में वह जादू टोना करके अपने ही मुंहबोले भतीजे का बाल काटकर आहुति देना चाह रही थी और इसके लिए मौके की तलाश में थी।

सोते समय किया बाल काटने का प्रयास

18 अप्रैल की को जब सानू छत पर सो रहा था उसी दौरान आरोपी अमरावती ने सानू का बाल काटने का प्रयास किया। सानू ने इसका विरोध किया तो अमरावती का पति आरोपी बजरंग पानुका गमछा से सानू का गला दबाने लगा। इस दौरान अमरावती पास में पड़े सब्बल से पीछे की तरफवार कर दिया जिससे सानू की मृत्यु हो गई। आरोपियों ने बताया कि इसके बाद दोनो सानू के शव को गमछा की सहायता से घसीटकर कुएं तक ले गए और उसमें फेकना चाह रहे थे। लेकिन तभी वहां किसी की आहट हो गई तो वे शव को वहीं छोड़कर घर चले गए। आरोपियों के बयान के बाद पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

राजनांदगांव में पेट्रोल पंप के मैनेजर से 14 लाख की लूट

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में पेट्रोल पंप के मैनेजर से 14 लाख रुपए की लूट का मामला सामने आया है। घटना चिचोला चौकी क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे 53 में तेंदूनाला के पास की है। घोरतलाव स्थित मारुति फ्यूल्स के मैनेजर के द्वारा 14 लाख रुपए कैश बैंक में जमा करने के लिए बाइक से राजनांदगांव की ओर जा रहे थे। इस दौरान चिचोला चौकी क्षेत्र के तेंदूनाला के पास कार सवार बदमाशों ने उसका पीछा करते हुए उन पर हमला कर बैग में रखे 14 लाख रुपए लेकर वहां से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नेशनल हाईवे के आसपास और अन्य प्रमुख क्षेत्र में नाकाबंदी कर मामले की जांच में जुड़ गई है। बागनदी थाना क्षेत्र में स्थित मारुति फ्यूल्स का मैनेजर जो कैश कलेक्शन कर राजनांदगांव बैंक में जमा करने के लिए जा रहे थे।

पड़ोसी ने नहाते समय नाबालिग का बनाया वीडियो

आरोपी गिरफ्तार भेजा गया जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम बालूद में रहने वाला युवक आईटीआई इलेक्ट्रिक में प्रशिक्षण लेने के बाद नगरनार क्षेत्र के एनएमडीसी में काम कर रहा था, लेकिन अपने किराए घर के बगल में रहने वाली नाबालिक का नहाते वक्त वीडियो बना लिया। जिसे देख नाबालिक ने हंगामा किया जहाँ आरोपी फरार हो गया। परिजनों ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई, जहाँ चार घंटे के अंदर ही आरोपी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया गया।

मामले की जानकारी देते हुए बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि दंतेवाड़ा जिले के बालूद में रहने वाला विशाल परघनिया जगदलपुर के नगरनार थाना क्षेत्र में स्थित एनएमडीसी में काम करने के साथ ही 5 दिन पहले ही उसने एक किराये के मकान में रह रहा था। घर के बगल में एक नाबालिक अपने परिजनों के साथ रहती थी, रविवार की सुबह जब नाबालिक नहाने के लिए बाथरूम गई तो आरोपी ने उसे अकेला देख उसके बाथरूम के पास अपना मोबाइल फोन को वहां पर वीडियो चालू करते हूए वहीं पर घूम रहा था।

अचानक से नाबालिक ने आरोपी के साथ ही मोबाईल फोन को देख सुबह शोर मचाया, जहाँ आरोपी मौके से फरार हो गया, घटना के बाद नाबालिक ने मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी, जिसके बाद परिजन बोधघाट थाना पहुँच आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल ही आरोपी को पकडने के लिए टीम भेजा, जहाँ 4 घंटे के अंदर ही आरोपी को धर दबोचा गया। वही पीड़िता का कहना था कि इसके पड़ोस में रहने वाले विशाल परघानिया आज सुबह नहाते समय पीड़िता के बाथरूम के रोशनदान में आरोपी अपने मोबाइल के कैमरा को रखकर पीड़िता का वीडियो बनाया हैं, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हत्या और अपहरण में शामिल रहे दो नक्सली हुए गिरफ्तार

न्यायालय में किया गया पेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर में डीआरजी और गंगालुर थाना की संयुक्त पार्टी ने मेटापाल के जंगल से हत्या और अपहरण जैसी घटनाओं में शामिल रहे दो जन मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक नक्सल विरोधी अभियान के तहत बीजापुर डीआरजी व गंगालुर थाना की संयुक्त पार्टी मेटापाल की ओर निकली थी। इस दौरान मेटापाल से दो जन मिलिशिया सदस्यों कमलू पुनेम पिता रघु पुनेम उम्र 30 निवासी पुसनार व गोपाल पुनेम पिता कोसा उर्फ गल्ला उम्र 35 निवासी सावनार गंगालुर थाना को पकड़ा गया।

पकड़े गये नक्सलियों में कमलू पुनेम 8 फरवरी 2014 को पुसनार के ग्रामीण का अपहरण व हत्या की घटना में तथा गोपाल पुनेम 12 फरवरी 2012 में गंगालुर मंझारपारा कच्ची रोड पर पुलिस पार्टी को क्षति पहुंचाने के लिए आईईडी प्लांट करने की घटना में शामिल था। पकड़े गये नक्सलियों के खिलाफ गंगालुर थाना में वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया है।

आरोपी युवक बालिका को बहला फुसला कर ले गया था अहमद नगर महाराष्ट्र

रेप का आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार, नाबालिग का किया था अपहरण

भिलाई। अपहरण व रेप के एक मामले में पुरानी भिलाई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक नाबालिग बालिका को बहला फुसला कर अपहरण कर ले गया था। भिलाई से लेजाकर आरोपी युवक नाबालिग को अहमदनगर महाराष्ट्र ले गया। अहमदनगर में उसने नाबालिग से जबरिया संबंध भी बनाए। परिजनों की शिकायत पर पुरानी भिलाई पुलिस ने अपराध दर्ज किया। लगभग 18 दिन बाद आरोपी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार नाबालिग को सकुशल परिजनों को सौंपा गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में 10 मई को पुरानी भिलाई थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई। प्रार्थी ने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को अज्ञात युवक अपहरण कर ले गया। इस मामले में पुलिस ने धारा 363 के तहत अपराध दर्ज विवेचना शुरू की। इस दौरान अज्ञात आरोपी के बारे में लगातार पतासाजी की जा रही थी। इस दौरान पता चला कि नाबालिग को अरमान नाम के युवक ने अपहरण किया है। इसके बाद पुलिस ने अरमान की तलाश शुरू की।

विवेचना के दौरान पता चला कि आरोपी अरमान पिंडरी-42 थाना चरही जिला हजारीबाग झारखंड का रहने वाला हैं, और वह भिलाई तीन में काम करता था। इस दौरान नाबालिग से परिचय हुआ और उसे बहला फुसला कर ले गया। इसके बाद पुलिस की टीम झारखंड पहुंची और परिवार से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस को उसका मोबाइल नंबर मिल गया। अब मोबाइल के आधार पर लोकेशन ट्रेस की गई। मोबाइल नंबर के टावर लोकेशन के आधार पर आरोपी की लोकेशन जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र) का पाया गया। इसके बाद पुलिस की एक टीम महाराष्ट्र रवाना हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर नाबालिग बालिका को बरामद कर परिजनों को सौंपा गया। आरोपी के खिलाफ 376 की धारा जोड़कर उसे जेल भेज दिया गया।

हिन्दू रक्षामंक्ष ने किया था प्रदर्शन

बता दें इस मामले में पुरानी भिलाई थाना पहुंचकर हिन्दू रक्षामंच ने प्रदर्शन भी किया था। प्रार्थी की शिकायत के बाद पुलिस की कार्रवाई धीमी होने के कारण हिन्दू रक्षामंच के कार्यकर्ताओं ने थाने के सामने प्रदर्शन किया और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन भी दिया था। शिकायत दर्ज होने के लगभग 18 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

समर कैंप में नृत्य, रंगोली, मेहंदी व चित्रकला का दिया जा रहा प्रशिक्षण

दुर्ग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोड़िया में लगातार पिछले कई वर्षों से समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी यह आयोजन किया गया है। जिसमें डॉ. सरोज साहू के द्वारा नृत्य रंगोली मेहंदी चित्रकला आदि का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को दिया जा रहा है। शिक्षकों ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में जब पढ़ाई का भार कुछ कम रहता है। उस समय विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को बाहर लाने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें इसके लिए विभिन्न विधाओं को समर कैंप की एक्टिविटी में शामिल किया जाता है। डॉ. सरोज के द्वारा सेमी क्लासिकल नृत्य के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न हस्त मुद्राओं एवं भावभंगिमा से परिचित कराया गया। विभिन्न रंगों को लेकर किस तरह जमीन पर एक सुंदर आकृति बनाई जा सकती है। इसका प्रशिक्षण रंगोली के माध्यम से दिया गया। इसके अलावा विविध कलाएं चित्रकला और मेहंदी कला से भी विद्यार्थी परिचित हुए और उत्साह के साथ इन सभी विधाओं में भाग लिया। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में अलग-अलग कलाएं निखरती है। इस अवसर पर शाला प्राचार्य नीलमणि उजवने उपस्थित थीं।

जिला स्तरीय योग ओलंपियाड में 16 खिलाड़ियों का चयन

भिलाई। दुर्ग जिले के तीनों ब्लॉक जिसमें दुर्ग, धमधा एवं पाटन शामिल है। इन खिलाड़ियों के बीच जिला स्तरीय योग ओलंपियाड चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कुल 48 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान खिलाड़ियों सर्वश्रेष्ठ योगासन और प्राणायाम का प्रदर्शन कर संभाग स्तरीय के लिए चयनित हुए। जिसमें 8 बालक और 8 बालिका सहित कुल 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी 27 मई को होने वाले संभाग स्तरीय योग ओलंपियाड में दुर्ग जिले का नेतृत्व करेंगे। चयनित खिलाड़ियों में बालिका वर्ग में टोमांशीक, भाविका, नंदिनी तेलीगुंड्रा, गीतांजलि, साक्षी, सुधा, विद्या, मुस्कान और बालक वर्ग में अंश, आदित्य, कुणाल, प्रीतम, यश, विवेक, ओम प्रकाश, कुनाल साहू आदि शामिल हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन धमधा ब्लॉक के सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी संगीता देवांगन ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया। दौरान खिलाड़ियों को अच्छे खेल प्रदर्शन करने प्रेरित किया। चयनकर्ता के रूप में अजीत पंडा, बीएसपी क्रीड़ा समन्वयक अरुण पंडा, रेखा राम साहू मौजूद थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य लता रघुकुमार मौजूद थे।

इंटकवेल में कचरा रोकने लगेगी जाली, बारिश में नहीं होगी परेशानी

दुर्ग। शिवनाथ नदी के पास इंटकवेल में कचरा रोकने जाली लगाई जाएगी, जिससे बारिश के सीजन में पेयजल सप्लाई बाधित न हो। विधायक गजेंद्र यादव ने रविवार को निगम की टीम के साथ शिवनाथ नदी किनारे जलकुंभी से पटे हुए क्षेत्र का निरीक्षण कर समस्या का निराकरण करने निर्देश दिए। उन्होंने अफसरों को नाला डायवर्सन कार्य में तेजी लाने और नाला से जलकुंभी निकालने आधुनिक संसाधन का उपयोग करने कहा। विधायक गजेंद्र ने इंटकवेल के पीछे बड़े नाला में जलकुंभी को हटाने को लेकर निगम की टीम द्वारा किए जा रहे काम की जानकारी ली। बरसाती पानी में बहकर पंप हाउस में किसी प्रकार का कचरा न फंसे, इसके लिए एनीकट में जाली लगाने और आधुनिक मशीन का उपयोग कर जलकुंभी निकालने निर्देश दिए। शहर के सभी बड़े नाला से जलकुंभी व झिल्ली, पन्नी के कचरे को निकाला जा रहा है।

मतगणना के लिए गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर को दिया गया प्रशिक्षण

समन्वय के साथ मतगणना दायित्व का करें निर्वहन-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतगणना कार्य के लिए गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक तथा माइक्रो ऑब्जर्वर को आज बी.आई.टी. दुर्ग में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के नियमों के तहत पूरी सतर्कता से मतगणना दायित्व को निर्वहन करने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने सभी गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मतगणना की प्रत्येक बारीकियों को सीखने-समझने कहा। मतगणना से संबंधित सभी जरुरी प्रक्रियाओं तथा महत्वपूर्ण बिंदुओं को अच्छी तरह से समझ लें, ताकि मतगणना करते समय किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो। मतगणना प्रारंभ होने से लेकर संपूर्ण रूप से समाप्ति तक मतगणना कक्ष में गंभीरता और सावधानी बरतनी है।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतगणना कार्य की संपूर्ण पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। निष्पक्ष एवं पारदर्शिता पूर्ण मतगणना के लिए उपयोगी सुझाव एवं निर्देश दिए गए। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतगणना के पूर्व की तैयारी, मानव संसाधन एवं अन्य जरूरी संसाधनों की व्यवस्था, ईव्हीएम से मतगणना की प्रक्रिया, मतगणना व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि सीलिंग की प्रक्रिया में पहला पैकेट विधिमान्य बड़ा लिफाफा (प्रारूप-13 ग), दूसरा पैकेट विधिमान्य निर्वाचक का घोषणा (प्रारूप-13 क), तीसरा पैकेट विधिमान्य छोटा लिफाफा (प्रारूप-13 ख), चौथा पैकेट प्रतिक्षेपित छोटा लिफाफा (प्रारूप-13 ख) का जो बड़े लिफाफे (प्रारूप-13 ग) में रखकर सील किया जाएगा। पांचवा बड़ा पैकेट डाकमतों के बण्डल का। सीयू एवं वीवीपैट की सीलिंग प्रत्येक विधानसभा से मतगणना के लिए मतगणना स्थल पर केवल सीयू एवं प्रत्येक विधानसभा से निर्धारित वीवीपैट लाया जाएगा बाकी सभी बीयू एवं निर्धारित वीवीपैट को छोड़कर सभी वीवीपैट स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रहेगा।

अंतिम परिणाम की घोषणा उपरांत सीलिंग कार्य मतगणना में लगे अधिकारी एवं सहायक द्वारा सम्पन्न कराया जाएगा। प्रशिक्षण में एडीएम अरविंद एक्का, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, एसडीएम पाटन दीपक निकुंज, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत, एसडीएम धमधा सोनल डेविड भी उपस्थित थे।

मतगणना स्थल में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारी व कर्मचारी नियुक्त

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत 04 जून 2024 को श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई में मतगणना कार्य किया जाना है। निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार मतगणना स्थल के संपूर्ण व्यवस्था के नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार देवांगन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग तथा लोकेश चन्द्राकर आयुक्त नगर पालिका निगम दुर्ग संयुक्त रूप से नियुक्त किये गए है। इसके अलावा मतगणना स्थल में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारी/सहायक नोडल अधिकारी/सहयोगी अधिकारी/कर्मचारी की नियुक्ति की गयी है। उक्त आदेश के अतिरिक्त संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना हेतु पास जारी किये जाने तथा मतगणना उपरांत सिलिंग कार्य हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए है। जिसके अंतर्गत मतगणना स्थल में संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस अधीक्षक दुर्ग को, मतगणना हेतु समस्त प्रकार के पास जारी किये जाने हेतु योगिता देवांगन अपर कलेक्टर दुर्ग एवं मतगणना उपरांत सिलिंग कार्य हेतु मोनिका वर्मा आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली एवं डी.एस.वर्मा उपसंचालक जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग दुर्ग को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

सम्मानित हुई हिंदी, भिलाई के मयंक को अमेरिका में मिला नेबर अवार्ड

हिंदी-यूएसए सैंट लुईस का नाम चमका सेंट लुइस स्टेडियम में, हिंदी सीख रहे बच्चे चले अंतरराष्ट्रीय सॉकर खिलाड़ियों संग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सात समंदर पार हिंदी को बढ़ावा दे रहे भिलाई के युवा मयंक जैन को अमेरिका का प्रतिष्ठित एक्सेप्शनल नेबर अवार्ड प्रदान किया गया है। अमेरिका के सबसे बड़े खेल समारोह में से एक मेजर लीग सॉकर के दौरान सेंट लुईस के 22 हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच मयंक को यह सम्मान प्रदान किया गया।

खास बात यह रही कि इस इस सम्मान के दौरान मयंक और उनकी पत्नी डॉ. अंशु जैन द्वारा शुरू की गई हिंदी-यूएसए सैंट लुईस संस्था का नाम भी बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया और अमेरिका के प्रमुख टीवी चैनलों पर मयंक का साक्षात्कार भी लिया गया।

मयंक ने बताया कि उनके लिए यह गौरवान्वित करने वाला पल था। उन्होंने बताया कि इस प्रतिष्ठित समारोह में उनकी संस्था के लगभग 40 कार्यकर्ताओं को नि:शुल्क प्रवेश दिया गया और सभी अपने परिवार के साथ आए थे। इनमें हिंदी सीख रहे सभी बच्चों को स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ चलने करने का मौका मिला। इसे 'के प्लेयर पैल' प्रोग्राम कहते हैं। मयंक के मुताबिक यह अमेरिका में पहली बार हुआ है जिसमें कि एक हिन्दी भाषी संस्था को स्टेडियम में इस स्तर पर सम्मान मिला।

उल्लेखनीय है कि हिंदी-यूएसए के संस्थापक दंपति मयंक जैन और डॉ. अंशू जैन इस्पात नगरी भिलाई के रहने वाले है। मयंक जैन कपड़ा व्यापारी सुरेश चंद जैन के पुत्र और डॉ अंशु जैन अंचल के बर्न एंड प्लास्टिक सर्जन डॉ मदन लाल जैन की सुपुत्री हैं।

मयंक जैन अपनी छोटी सी पहल से सेंट लुइस, मिसौरी, अमेरिका में हिंदी की ज्योत जगा रहे हैं। एक गैर-लाभकारी हिंदी पाठशाला हिंदी-यूएसए सेंट लुइस के माध्यम से मयंक वहां के देश-विदेश और भारतीय मूल के बच्चों में हिंदी को बढ़ावा देने सक्रिय हैं। यहां जैन दंपत्ति हिंदी को समर्पित विविध आयोजन करते रहते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में न सिर्फ भारतीय बल्कि दुनिया के अन्य देशों के लोग भी शामिल होते हैं।

नोटिस का असर नहीं निगम ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सीमा क्षेत्र अंतर्गत सुमीत बाजार परिसर पोलसायपारा संचालक द्वारा लगातार सड़क पर पानी बहाने से परेशान लोगो ने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर से शिकायत की। उन्होंने अधिकारियों को कार्रवाही के निर्देश दिये। नगर निगम अधिकारियों द्वारा शिकायत को ध्यान में रखते हुए सुमीत बाजार परिसर का निरीक्षण कर पाया गया कि संचालित सुमीत बाजार परिसर के कूलरों का पानी की निकासी को आवागमन सड़क क्षेत्र में प्रवाहित किया जा रहा है। जिससे सड़क में पानी का जमाव हो रहा है एवं आवाजाही बाधित हो रही है।

निगम द्वारा नोटिस के माध्यम से सुमित बाजार के संचालक को कूलरों के पानी निकासी की समुचित व्यवस्था किये जाने के लिए अवगत कराया गया था परंतु नोटिस का असर नही हुआ। नोटिस को किया अनदेखा तो निगम अधिकारियों ने आज निरीक्षण कर 2 हज़ार रुपये का जुर्माना की कार्यवाही गई है।आपको बता दे कि निगम द्वारा 24 घंटे के भीतर उक्त कूलरो के पानी की निकासी को सड़क से हटाकर अन्यंत्र समुचित व्यवस्था कर नगर पालिक निगम कार्यालय को सूचित करेंगे ताकि राहगीरों को आवागमन में परेशानी ना हों।कार्रवाही के मौके पर सहायक अभियंता गिरीश दीवान,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, सहायक भवन अधिकारी विनोद मांझी, असर नहीं,निगम ने की कार्रवाही,सुमीत बाजार के संचालक को सड़क पर बेवजह पानी बहाना महँगा पड़ा।

नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता:शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतरत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान और आचार्य नरेंद्र स्मृति जन अधिकार अभियान समिति ने सोमवार को अपने रूआबांधा परिसर में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 60 वीं पुण्यतिथि मनाई।

इस दौरान प्रधानमंत्री नेहरू के योगदान को याद किया गया तथा उनके व्यक्तित्व पर चर्चा हुई। प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आर पी शर्मा ने कहा कि 10 साल से मौजूदा प्रधानमंत्री और उनके लोग जवाहरलाल नेहरू की आलोचना करते रह गए। जबकि जवाहरलाल नेहरू का कद इन सबके कद से कहीं ऊंचा है। उन्होंने कहा कि देश में स्वतंत्रता के बाद प्रगति हुई, उसकी नींव जवाहरलाल नेहरू ने रखी। इसलिए उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता कहा जाता है। भिलाई स्टील प्लांट से लेकर तमाम सार्वजनिक उपक्रम इसकी मिसाल है। दुर्भाग्यजनक स्थिति यह है कि मौजूदा सरकार के दौर में इन तमाम सार्वजनिक उपक्रमों के अस्तित्व पर संकट नजर आ रहा है। इस दौरान प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। आयोजन में समाजवादी जनता पार्टी चंद्रशेखर के प्रांतीय महासचिव नंदकिशोर साहू और एमआर रजक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कोक ओवन के कर्मचारी शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में शिरोमणी पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट तथा अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी के तहत संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में विगत दिनों कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक तरूण कनरार उपस्थित थे। समारोह में अप्रैल 2024 के लिए ओसीटी मीता राम एवं मास्टर ऑपरेटर नरपाल प्रसाद यादव को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेताओं को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र तथा उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

तरूण कनरार ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को सुरक्षा को प्राथमिकता देकर इसी तरह लगन से कार्य करने रहने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में निपुण करने के लिए प्रेरित किया। इस समारोह में महाप्रबंधक समीर रायचैधरी, महाप्रबंधक पी वी वी एस मूर्ति, महाप्रबंधक झगर सिंह, महाप्रबंधक बी सी मंडल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। उपस्थित सभी अनुभाग प्रमुखों ने भी पुरस्कार विजेताओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन कार्मिक अधिकारी सुश्री एम तन्मई द्वारा किया गया।

पानी की चोरी पर बड़ा एक्शन, भिलाई निगम की टीम ने जब्त किए 12 टुल्लू पम्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में सोमवार को पानी चोरी पर बड़ा एक्शन लिया गया। पानी खुलने के साथ ही कुछ क्षेत्रों में टुल्लू पंप से पानी खींचने की शिकायतें मिली जिस पर सोमवार को निगम की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। मदर टेरेसा नगर जोन 03 कार्यालय क्षेत्र में टुल्लू पम्प पानी खीचने वालों पर कार्रवाई करते हुए 12 टूल्लू पम्प निगम ने जब्त किया।

दरअसल निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव को शिकायत मिल रही थी कि कुछ लोग पानी सप्लाई के दौरान टूल्लू पम्प लगाकर पानी खींच रहे हैं। इससे दूसरी बस्तियों में पानी का सप्लाई ठीक ढंग से नहीं हो पा रहा है। इसे देखते हुए आयुक्त ने सभी जोन आयुक्तो को निर्देशित किया की रोज सुबह अपने क्षेत्रो में जाएं और जहां पर भी अवैध रूप से टुल्लू पम्प लगाकर पानी खींचा जा रहा है उस पर कार्रवाई करें। जिससे गर्मी के दिनो में अंतिम छोर तक पानी पहुंचे और सभी नागरिको को शुद्व पेयजल मिले।

भिलाई निगम क्षेत्र में इस प्रकार खींचा जा रहा है पानी

आयुक्त के निर्देश निगम की टीम अपने अपने क्षेत्र का प्रात: भ्रमण कर रही है। इस दौरान जोन क्रमांक 03 वार्ड 34 एवं 35 मिलन चौंक के पास लोग के साथ व्यवसायियों द्वारा टुल्लू पम्प लगाकर पानी खींचा जा रहा था। नगर निगम के अमला को देखकर लोगों अपने पंप को छिपा दिए और दरवाजा बंद कर लिए। पूछताछ में बोले हम मोटर नहीं चलाते हैं। जब निगम की टीम ने जांच की तो टुल्लू पंप मिले। निगम ने 12 पंप जब्त कर लोगों को समझाइश दी। इस कार्रवाई के दौरान जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता भेश्राम सिन्हा, सहायक अभियंता आलोक पसीने, उपअभियंता मरकाम, कृष्णा जंद्येल, सुपरवाईजर श्याम कुमार आदि उपस्थित रहे।

आयुक्त देवेश ध्रुव ने लोगों से अपील की है कि निगम का उददेश्य है कि हर नागरिक को शुद्व पेयजल मिले। आप सब भी सहयोग करे किसी प्रकार से टूल्लू पम्प लगाकर अवैध रूप से पानी का दोहन करना कानून अपराध है। पकड़े जाने पर नगर निगम अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं बिजली की भी कटौती भी हो सकती है। आयुक्त ने कहा कि जब लोग शुरू में मोटर से पानी खीच लेते है तो पानी सप्लाई का प्रेशर कम हो जाता है, जिससे आगे के बस्तीयो में जल प्रवाह की गति रूक जाती है।

सी एस अदिति और समता शुक्ला द्वारा निर्मित पेंटिंग्स की युगल प्रदर्शनी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर स्थित नेहरू आर्ट गैलरी में, भिलाई की कु. सी.एस. अदिति और श्रीमती समता शुक्ला, द्वारा निर्मित पेंटिंग्स की युगल प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 28 मई 2024 को संध्याकाल मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक (आर ई डी) सुधीर कुमार द्वारा किया जायेगा।

सी.एस अदिति डीपीएस भिलाई की छात्रा रहीं हैं। उन्होंने कक्षा 12वीं में 94.4 अंक प्राप्त किए हैं, तथा इनका चयन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) में बी.डिजाइन कार्यक्रम हेतु हुआ है। आदिति ललित कलाओं में व मार्शल आर्ट्स में रूचि रखतीं हैं, तथा उन्होंने प्रयागराज स्थित प्रयाग संगीत समिति से भरतनाट्यम में सीनियर डिप्लोमा भी प्राप्त किया है। वर्ष 2023 में आदिति ने भरतनाट्यम में 'अरंगेत्रम' किया। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र के द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सीसीआरटी छात्रवृत्ति फैलोशिप भी प्राप्त है। तथा कु. सी.एस. अदिति ने मार्शल आर्ट्स में दक्षता प्राप्त कर ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हासिल किया है। समता शुक्ला, एक गृहिणी होने के साथ साथ एक कुशल चित्रकार हैं, बचपन से ही इन्हें ड्राइंग और पेंटिंग का शौक था। श्रीमती शुक्ला नें चित्रकला विधाओं जैसे तैल चित्रकला, पेंसिल स्केचिंग, मधुबनी, मंडला कला, रेखाचित्र और जल रंग चित्रकला सहित, विविध प्रकार की चित्रकला विधाओं को कैनवास पर सुन्दरता के साथ उकेरा है। प्रदर्शनी 28 मई से 30 मई 2024 तक प्रतिदिन संध्या 5.30 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आम जनता के दर्शनार्थ खुली रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950